शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 301 | गुवाहाटी | रविवार, 7 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा का कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति : राजनाथ सिंह पेज 2
डिब्रूगढ़ को दूसरी राजधानी बनाने को 500 करोड़ के विशेष पैकेज का भाजपा... पेज 3
2014 से पहले लोगों के मन में था अविश्वास का माहौल : शेखावत पेज 5
महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 : भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर ... पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म न करने से, कर्म करना श्रेष्ठ है।

-श्रीमद् भागवत गीता

न्यूज गैलरी

तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और सचिव ने भी दिया इस्तीफा

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शनिवार को उस समय झटका लगा, जब पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन और प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं के इस्तीफे ऐसे समय सामने आए हैं, जब हाल ही में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने के बाद राज्य इकाई में -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ जवान समेत दो हिरासत में

बारामुला (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पुलिस ने कनिस्पोरा क्षेत्र में देर रात नाका चेकिंग के दौरान एक कार को रोककर दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक 12-बोर राइफल और 50 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, कनिस्पोरा-जाहामा क्रॉसिंग पर एसओजी बारामूला और 52 -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने नए मंत्रियों से कहा-

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा पहले विभागों का बंटवारा बाद में

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नव नियुक्त मंत्रियों के लिए पोर्टफोलियो आवंटन में *थोड़ा समय लगेगा,* क्योंकि सरकार विभागों को आवंटित करने से पहले प्रशासनिक आवश्यकताओं और व्यक्तिगत मंत्रियों की क्षमताओं की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने का इरादा रखती है। अपने 16 मंत्रियों के विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बाद प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि इस प्रक्रिया में पिछले मंत्रियों के अधीन विभागों के प्रदर्शन का आकलन करना और यह पहचानना शामिल होगा कि नए शामिल किए गए मंत्री सबसे प्रभावी ढंग से कहां योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं थोड़ा समय लूंगा। हमें पूर्व में विभिन्न विभागों का कार्यभार संभालने वाले मंत्रियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करनी होगी और यह आकलन करना होगा कि नए मंत्री किन क्षेत्रों में सबसे प्रभावी ढंग से कार्य कर सकते हैं। प्रक्रिया में जल्दबाजी करने के बजाय, हम विभागों का आवंटन करने से पहले एक उचित मूल्यांकन करेंगे। हालांकि पूर्ण पोर्टफोलियो आवंटन में अभी देरी हो सकती है, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के कुछ हिस्सों में उभरती बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, एक दिन के भीतर प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारियां सौंप दी जाएंगी। हम प्रभारी मंत्रियों को जिम्मेदारियां सौंपेंगे ताकि मंत्री विभिन्न जिलों का दौरा कर सकें, बाढ़ से संबंधित चुनौतियों को -शेष पृष्ठ दो पर

6 जुलाई से शुरू होगा बजट सत्र : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि असम विधानसभा का बजट सत्र 6 जुलाई से शुरू होगा और 21 दिनों तक चलेगा, जिससे सरकार को पूरा बजट पारित करने और 1 अगस्त से विभिन्न कल्याणकारी और विकास योजनाओं के तहत लाभों का वितरण शुरू करने में मदद मिलेगी। दिन में पहले अपने मंत्रालय के विस्तार और कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए, शर्मा ने कहा कि सरकार पहले पूरा बजट पारित करने में असमर्थ थी क्योंकि विधानसभा चुनावों के कारण केवल वोट-ऑन-अकाउंट की मंजूरी आवश्यक थी। शर्मा ने कहा कि बजट सत्र 6 जुलाई से शुरू होगा और 21 दिनों तक चलेगा, क्योंकि सदन को बुलाने के लिए कम से कम एक महीने की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा द्वारा बजट -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल ने लोक भवन में मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्यों की मेजबानी की

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां लोक भवन में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ *स्नेह मिलन* कार्यक्रम के तहत बातचीत की। मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान, राज्यपाल श्री आचार्य ने जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और असम में शांति, प्रगति, समृद्धि और समावेशी विकास के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए राज्यपाल का आभार व्यक्त किया और असम के विकास तथा लोगों की भलाई के लिए अथक प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। गौरतलब है कि शपथ ग्रहण के बाद नई मंत्रिपरिषद के लिए लोक भवन (पूर्व में राज भवन) में कार्यक्रम आयोजित किया जाता था।

चराईदेउ में बटालियन शिविर के अंदर एक कमांडो जवान मृत पाया गया

जोरहाट। चराईदेउ जिले के कानू चाय बागान में कमांडो बटालियन शिविर के अंदर शनिवार को एक कमांडो जवान ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सरभोग निवासी सनातन दास के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपने एक साथी सैनिक की सर्विस राइफल से खुद को सिर में गोली मार ली। घटना के बाद पुलिस तुरंत शिविर पहुंची, शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारणों का पता लगाने -शेष पृष्ठ दो पर

दुर्व्यवहार और लापरवाही

विश्वनाथ के दो पुनर्वास केंद्र सील

विश्वनाथ। विश्वनाथ में पुनर्वास केंद्रों में शारीरिक शोषण और चिकित्सा लापरवाही के बढ़ते आरोपों के बीच, जिला प्रशासन ने दो नशामुक्ति केंद्रों को तत्काल सील करने का आदेश दिया है और उनके संचालन की औपचारिक जांच शुरू की है। 5 जून को एक आधिकारिक आदेश में, विश्वनाथ के जिला मजिस्ट्रेट लखीनंदन शहरिया ने दोनों पुनर्वास केंद्रों के कामकाज की जांच की घोषणा की। लाइव वेल पुनर्वास केंद्र की क्षमता 64 लोगों की है, जबकि प्रतिज्ञा पुनर्वास केंद्र में 26 लोगों को रखा जा सकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल को एक लाख करोड़ की सौगात

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन समेत 61 नई रेल परियोजनाओं का एलान

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में रेल बुनियादी ढांचे को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार ने लगभग एक लाख करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं की घोषणा की है। इन योजनाओं में दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर, 102 अमृत भारत स्टेशन, 61 नई रेल परियोजनाएं, 538 फ्लाईओवर और अंडरपास तथा कोलकाता मेट्रो के बड़े विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं। इन परियोजनाओं की घोषणा शनिवार को नबान्न (राज्य सचिवालय) में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद की गई। बैठक में रेलवे और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

ईएसी टीम के साथ पीएम मोदी ने की बैठक, ईज ऑफ लिविंग-ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। दुनिया भर के बाजारों और आर्थिक हालात में काफी उतार-चढ़ाव (अनिश्चितता) चल रहे हैं। इसके बावजूद, भारत अपनी तरक्की की रफ्तार को कम नहीं होने देना चाहता। इस मकसद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी) की बैठक बुलाई और इसकी अध्यक्षता की। इस बैठक का मकसद वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की रणनीतियों की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने अस्थिर वैश्विक माहौल में आर्थिक गति को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने भारत की मजबूती को बढ़ाने के लिए कई विचारों, ईज ऑफ लिविंग-ईज ऑफ डूइंग और नीतिगत उपायों पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य केंद्र बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए विकास दर को बनाए रखना था। काउंसिल ने नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और अलग-अलग सेक्टर में बिजनेस करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के सुधारों पर भी चर्चा की। इसमें शामिल लोगों ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड में 150 स्कूली छात्र पड़े बीमार, 38 हॉस्पिटल में भर्ती

तिरुवनंतपुरम/वायनाड। तटीय राज्य केरल में मानसून की दस्तके बाद वायनाड में 150 स्कूली छात्रों के बीमार पड़ने की घटना सामने आई है। वायनाड में एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के करीब 150 छात्रों को पिछले तीन दिनों में बुखार और उल्टी की शिकायत थी। इसके बाद स्कूल को एक हफ्ते के लिए बंद कर दिया गया है। बीमार हुए बच्चों में 38 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वायनाड से कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सांसद हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी यहां से सांसद थे। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि प्रभावित बच्चे -शेष पृष्ठ दो पर

फिरोजपुर में ओवरलोडेड पिकअप-ट्राले की टक्कर, नौ की मौत, 20 घायल

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के फिरोजपुर में शनिवार सुबह ओवरलोडेड पिकअप वैन और ट्राले की भीषण टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। मृतक और घायल आपस में रिश्तेदार थे और अस्थि विसर्जन के लिए डेरा ब्यास जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, पिकअप में करीब 29 लोग सवार थे। गाड़ी की छत और फर्श के बीच में एक विभाजन कर लोगों को बैठाया गया था। इसके अलावा गाड़ी के पीछे लकड़ी के फट्टे लगाकर जगह बढ़ाई गई थी और एक सीढ़ी लगा दी गई थी। परिवार अपने मृतक परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए डेरा ब्यास जा रहा था। जब वाहन गांव जंगेवाला के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे एक ट्राले के साथ उसकी भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोगों को संभलने का -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ : एक सप्ताह में पीलिया से पांच की मौत

रायपुर/अंबिकापुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में पिछले एक सप्ताह के भीतर 4 गांवों में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों में एक उपसरपंच और एक छात्र भी शामिल हैं, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। प्रशासन ने फिलहाल तीन लोगों के मौत की पुष्टि की है। दो लोगों के मौत की -शेष पृष्ठ दो पर

यूसुफ को सीट छोड़ने के विवाद पर सौरव ने तोड़ी चुप्पी, आरोपों को बताया निराधार

कोलकाता। हाल ही में बंगाल में हुए चुनावों में करारी हार के बाद, जहां ममता बनर्जी ने भाबानीपुर सीट मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से हार गईं, ऐसी खबरें सामने आईं कि ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद यूसुफ पठान से बहरामपुर सीट खाली करने को कहकर संसद में प्रवेश पाने की कोशिश कर रही हैं। *आनंदबाजार पत्रिका* की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने ममता बनर्जी की ओर से यूसुफ पठान से संपर्क किया था ताकि वे उन्हें बहरामपुर सांसद पद से इस्तीफा देने के लिए कहें और -शेष पृष्ठ दो पर

नेहरू ने अपने कार्यकाल में तीन विदेशी संसदों को किया संबोधित, पीएम मोदी के नाम अबतक 19

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2026 के बीच दुनिया के अलग-अलग देशों की 19 संसदों को संबोधित किया है। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि मोदी ने किसी भी पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री से ज्यादा विदेशी संसदों में भाषण दिया है। पार्टी ने इसे भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत, कूटनीतिक प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण बताया। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पीएम मोदी ने अमेरिका की कांग्रेस से लेकर इजराइल की संसद केनेसट तक को संबोधित किया है। पार्टी के मुताबिक, यह उपलब्धि दिखाती है कि दुनिया में भारत की आवाज पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने कार्यकाल में 3 विदेशी संसदों को संबोधित किया था। इंदिरा गांधी ने 4, मनमोहन सिंह ने 7, जबकि राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी -शेष पृष्ठ दो पर

हमारा तेल समंदर में फंसा तो डुबो देंगे दुनिया की इकॉनमी : तेहरान

तेहरान। तेहरान ने कूटनीति को एक बड़ा झटका दिया है, कागजों पर हुए समझौतों को मलबे में फेंकते हुए ईरान ने सीधे *मिनी वॉर प्लान* को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। ईरान का साफ संदेश है, अगर उसका तेल समंदर में फंसा रहातो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को समंदर में डुबो दिया जाएगा। ईरान के इन बयानों से लग रहा है कि खाड़ी में नए युद्ध की शुरुआत के संकेत हैं? कागजों पर समझौते उलझे, समंदर में बारूद सुलग रहा है। नाटो और पेंटागन की युद्धनीति पहले ही फेल हो चुकी है, कूटनीति का दांव भी विफल हो गया। अब ट्रंप की विस्तारवाद की जिद ने ऐसा रास्ता खोल दिया है, जो पूरे अरब क्षेत्र के लिए सबसे बड़े तूफान की दस्तक दे रहा है। ईरान ने संकेत दिए हैं कि अमेरिका ने अगर नाकाबंदी नहीं हटाई तो वह पांच अलग-अलग फ्रंट पर ब्लॉकेड लगा देगा। यानी फारस की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट, ओमान की खाड़ी, बाब अल-मंदेब स्ट्रेट और अदन की खाड़ी सब ब्लॉक कर दिया जाएगा। यानी अरब से दुनिया भर में जाने वाला हर तेल का रास्ता ईरान बंद कर सकता है। ईरान लंबे प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव से बुरी तरह बौखला चुका है। अमेरिकी नाकाबंदी से ईरान का करीब 6 |7 करोड़ बैरल तेल ओमान की खाड़ी में ही फंसा हुआ है। रिफाइनरी में प्रोडक्शन लगातार हो रहा है, लेकिन स्टोरेज क्षमता खत्म हो रही है। ईरान पहले ही कुछ तेल समंदर में बहा चुका है। कुछ शिपिंग कंपनियां टोल देकर होर्मुज पार तो कर रही हैं, लेकिन अमेरिकी उन्हें रोक रहे हैं। इससे ईरान का गुस्सा चरम पर है। जानकारों के मुताबिक ईरान के पास अब तीन ही रास्ते बचे हैं। ईरान ने एक नया कूटनीतिक फॉर्मूला भी पेश किया है, जिसमें होर्मुज का भविष्य सिर्फ ईरान और ओमान तय कर सकते हैं। किसी तीसरे देश की कोई मध्यस्थता नहीं चलेगी। भौगोलिक तौर पर देखें तो होर्मुज स्ट्रेट के जिस उथले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

भाजपा का कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति : राजनाथ सिंह

लखनऊ (हि.स.)। भारत के रक्षामंत्री एवं लखनऊ लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजनाथ सिंह ने शनिवार को *लखनऊ मध्य विधानसभा के मंडल-2* में आयोजित *प्रबुद्धजन संवाद* कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर, समृद्ध और दुनिया में अग्रणी देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत ने पिछले 12 वर्षों में जो परिवर्तनकारी यात्रा तय की है, वह स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यकर्ता ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करते हैं तथा जनता और सरकार के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निरंतर जनसंपर्क बनाए रखने और समाज के प्रत्येक वर्ग की समस्याओं के समाधान हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कालिदास मार्ग स्थित आवास पर लखनऊ के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों तथा जनता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को रक्षा मंत्री के समक्ष रखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा जनसेवा और क्षेत्र के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी एवं लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, महानगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी, रजनीश गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष विनायक पाण्डेय, रवि प्रकाश जायसवाल के अलावा सतीश चंद्र मिश्रा, अपूर्व भार्गव सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रक्षामंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह शनिवार को पूर्व राज्यमंत्री सुजय कुमार त्रिपाठी के आवास पर पहुंचकर भेंट की। इससे पहले रक्षामंत्री ने वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल की माताजी के निधनोपरांत उनके आवास पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने स्व0 भगवती शुक्ला की धर्मपत्नी के निधनोपरांत उनके आवास पर पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुरक्षा में कटौती से भड़का लालू परिवार राबड़ी देवी ने आवास से हटाए सुरक्षाकर्मी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को हाल ही में भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी आवास खाली करने का नोटिस दिया था। जिसको लेकर काफी विवाद हुआ था। ये मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब सरकार ने उनकी सुरक्षा भी घटा दी गई है। सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को दी गई जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। अब उन्हें बिहार पुलिस की तरफ से सिर्फ विशेष सुरक्षा दी जाएगी। सुरक्षा में कटौती किए जाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। सरकार के इस फैसले के बाद राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव ने पटना स्थित अपने आवास के बाहर तैनात सभी सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया है। आवास के मुख्य गेट पर एक भी सुरक्षा कर्मी तैनात नहीं है। आवास के बाहर का वीडियो भी सामने आया है जिसमें साफ देखा जा सकता है कि मैन गेट पर कोई सुरक्षाकर्मी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने अपने आवास पर तैनात सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस लौटा दिया है। उन्होंने सभी जवानों को तुरंत आवास से चले जाने का निर्देश दिया, जिसके बाद सभी सुरक्षाकर्मी उनके सरकारी आवास से बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी आवास के बाहर कुछ दूर पर आकर खड़े हो गए हैं। दरअसल सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव करते हुए उनकी सुरक्षा में कटौती है। दोनों नेताओं को पहले जेड+ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी, जिसमें बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी, हाउस गार्ड और एस्कॉर्ट वाहन शामिल होते थे। लेकिन अब सरकार ने जेड+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। गृह विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को दी गई जेड+ श्रेणी की सुरक्षा समाप्त कर दी गई है। हालांकि, दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हैं और उन्हें इस लिहाज से बिहार सरकार के एक अलग कानूनी प्रावधान के तहत सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। आदेश के मुताबिक, राबड़ी देवी को बिहार सरकार के विशेष सुरक्षा दल अधिनियम, 2010 के तहत बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की 2-8 हाउस गार्ड टीम, तीन महिला एवं तीन पुरुष अंगरक्षक, बुलेटप्रूफ वाहन तथा एस्कॉर्ट वाहन उपलब्ध कराया जाएगा।

अंडमान में प्राकृतिक गैस का नया भंडार मिला

नई दिल्ली (हि.स.)। अंडमान द्वीप के गहरे समुद्र में प्राकृतिक गैस का एक बड़ा भंडार मिला है। भारत सरकार की नवरत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने प्राकृतिक गैस की मौजूदगी का पता लगाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आधिकारिक तौर पर इस महत्वपूर्ण खोज की जानकारी साझा की। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अंडमान सागर में ऊर्जा संभावनाओं का विशाल समुद्र और मजबूत हुआ है। श्री विजयपुरम-3 में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि बेहद उत्साहजनक है। उल्लेखनीय है कि यह खोज श्री विजयपुरम-3 नामक खोजी कुएं में हुई है, जो अंडमान द्वीपसमूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यह कुआं समुद्र में 355 मीटर गहराई वाले क्षेत्र में ड्रिल किया गया था। कंपनी ने 1900 मीटर से अधिक गहराई तक ईओसीन संरचना में ड्रिलिंग की, जहां शुरुआती परीक्षण के दौरान लगातार गैस फ्लेयरिंग देखी गई, जिससे प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

पीएम ने पंजाब में सड़क दुर्घटना पर जताया शोक, मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि फिरोजपुर जिले में हुई दुर्घटना के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं! घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर शनिवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए।

ओम बिरला 8 को करेंगे राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बैठक का उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 8 जून को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधानसभा में द्वितीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन टू उत्तर जोन सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा और उपस्थित विशिष्टजनों को संबोधित करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधि भविष्य की चुनौतियों से निपटने और *विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में जागरूक समाज और विधि-निर्माताओं की भूमिका* विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन की समाप्ति 9 जून को हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष के समापन भाषण के साथ होगी। समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष कल्याण और अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में सीपीए भारत क्षेत्र जोन-टू के पांच विधानमंडलों के सभापति, अध्यक्ष, उप सभापति और उपाध्यक्ष सहित पीठासीन अधिकारी, विधान सभा एवं विधान परिषद के सदस्य और केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य, हरियाणा विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल होंगे। साथ ही राजस्थान, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, सिक्किम, गोवा, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। सीपीए भारत क्षेत्र जोन-टू में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के विधानमंडल शामिल हैं। वर्ष 2024 में सीपीए भारत क्षेत्र का नौ जोनों में पुनर्गठन होने के बाद जोन-टू का यह दूसरा वार्षिक सम्मेलन होगा। हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष वर्तमान में सीपीए भारत क्षेत्र जोन-टू के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय सहयोग को मजबूत करना, श्रेष्ठ विधायी और संसदीय पद्धतियों के आदान-प्रदान को सुगम बनाना और क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना है। यह सम्मेलन पीठासीन अधिकारियों और विधि निर्माताओं को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए अपने अनुभव साझा करने और रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा ।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों ...

समझ सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि जिला प्रशासन स्थिति से निपटने में पूरी तरह से सक्रिय और उत्तरदायी रहे, शर्मा ने कहा। उधर विस्तारित मंत्रिमंडल ने असम विधानसभा का बजट सत्र 6 जुलाई से बुलाने का भी निर्णय लिया। शर्मा ने कहा कि इस सत्र से सरकार को पूर्ण बजट पारित करने और 1 अगस्त से विभिन्न योजनाओं के लिए नियमित वित्तीय आवंटन बहाल करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्य द्वारा वोट-ऑन-अकाउंट व्यवस्था के माध्यम से कार्य करने के कारण कुछ विकासात्मक कार्यक्रम सीमित वित्तीय प्रावधानों के तहत संचालित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त से लोगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिलेगा। प्रेस से अटकलों से बचने की अपील करते हुए, शर्मा ने आश्वासन दिया कि कोई भी सरकारी योजना बंद नहीं की गई है और बजट पारित होने के बाद सभी कल्याण और विकास कार्यक्रम सामान्य रूप से जारी रहेंगे। इस बीच, रियायती दरों पर दालों, नमक और चीनी का सार्वजनिक वितरण रोक दिया गया है, हालांकि चावल का वितरण जारी है। सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने पहले कहा था कि पात्र लाभार्थियों को रियायती कीमतों पर उपलब्ध कराई जा रही तीन खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति जून से दो महीने के लिए निलंबित कर दी गई है। विभाग ने इस विराम का कारण वर्तमान में लागू वोट-ऑन-अकाउंट व्यवस्था को बताया और कहा कि 2026-27 का पूरा बजट नई सरकार द्वारा जुलाई में पेश किया जाएगा। विभाग ने कहा था कि नई सरकार जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेगी और इसके पारित होने के बाद, यह योजना अगस्त से फिर से शुरू हो जाएगी।

6 जुलाई से शुरू होगा...

को मंजूरी मिलने के बाद 1 अगस्त से कई सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार योजना के अनुसार योजनाओं से संबंधित लाभ जारी करने में असमर्थ रही क्योंकि चुनाव से पहले केवल वोट-ऑन-अकाउंट पारित किया जा सका। शर्मा ने यह भी कहा कि नव नियुक्त मंत्रियों को अगले सात दिनों के भीतर विभागों का आवंटन कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद मैं एक सप्ताह के भीतर पोर्टफोलियो की घोषणा करूंगा। उन्होंने आगे बताया कि विभिन्न जिलों के लिए प्रभारी मंत्रियों की सूची शनिवार को घोषित की जाएगी। संरक्षक मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में विकासात्मक गतिविधियों की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है। शुक्रवार की बैठक विस्तारित 16 सदस्यीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक थी। दिन में पहले ही बारह मंत्रियों ने शपथ ली थी, जबकि चार मंत्रियों ने 12 मई को शपथ ग्रहण कर लिया था। हाल ही में संपन्न असम विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन द्वारा 102 सीटें हासिल करने के बाद शर्मा लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटे हैं।

चराईदेउ में बटालियन ...

के लिए जांच शुरू कर दी गई है। दास के एक सहकर्मी ने बताया कि उनकी सुबह की दिनचर्या में कुछ भी असामान्य नहीं था। सहकर्मी ने कहा कि सनातन दास सुबह उठे और चाय पी। वे आमतौर पर एकांतप्रिय थे और दूसरों से ज्यादा बातचीत नहीं करते थे। जब भी उनकी ड्यूटी खत्म होती थी, वे अपने कमरे में आराम करना पसंद करते थे। हम अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, तभी हमें गोली चलने की आवाज सुनाई दी। जब हम मौके पर पहुंचे, तो हमने उन्हें मृत पाया। उन्होंने आगे बताया कि दास के पास उस समय अपना हथियार नहीं था। उनके सहकर्मी ने कहा कि हमें नहीं पता कि किस बात ने उन्हें ऐसा कदम उठाने के लिए उकसाया। पुलिस इस घटना की हर संभव पहलू से जांच कर रही है।

विश्वनाथ के दो पुनर्वास ...

घटना के बाद, लाइव वेल के 29 लोग विश्वनाथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और बताया कि वे वापस केंद्र में नहीं जाना चाहते। कार्यकारी मजिस्ट्रेट, समाज कल्याण अधिकारी और पुलिस को उनके माता-पिता से संपर्क करने और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, शहरिया ने शनिवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा। विश्वनाथ स्थित कार्यकारी मजिस्ट्रेट और निर्वाचन अधिकारी, एसीएस धीमान हजारिका को दोनों केंद्रों के कामकाज की विस्तृत जांच करने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिसमें उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच भी शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि जांच अधिकारी केंद्रों के सभी प्रासंगिक अभिलेखों और दस्तावेजों की जांच करेगा; कैदियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज करेगा; केंद्रों में प्रचलित स्थितियों का आकलन करेगा; जांच अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के साथ आवश्यकतानुसार समन्वय करेगा; और इस आदेश के जारी होने की तारीख से सात दिनों के भीतर निष्कर्षों और सिफारिशों सहित एक विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसके अतिरिक्त, विश्वनाथ चारियाली पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को सीलिंग प्रक्रिया के लिए आवश्यक पुलिस सहायता प्रदान करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इस बीच, जिला समाज कल्याण अधिकारी, विश्वनाथ को निर्देश दिया गया है कि वे कैदियों को मान्यता प्राप्त पुनर्वास केंद्रों में सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने और उनकी देखभाल और उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल व्यवस्था करें। सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे जांच पूरी करने में सुविधा प्रदान करने के लिए जांच अधिकारी को पूरा सहयोग दें। यह कार्रवाई उन गंभीर शिकायतों के मद्देनजर की गई है जिनमें पुनर्वास केंद्रों में रह रहे निवासियों के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार और अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया गया है। इससे पहले शुक्रवार को, लाइव वेल पुनर्वास केंद्र में इलाज करा रहे लगभग 34 युवक कथित तौर पर केंद्र से भाग गए, यह घटना जिले के पुनर्वास केंद्रों में दुर्व्यवहार दिखाने वाले वीडियो के सामने आने के एक दिन बाद हुई, जिससे व्यापक जन आक्रोश फैल गया था। खबरों के मुताबिक, युवकों ने केंद्र से जबरन बाहर निकलकर शहर के विभिन्न हिस्सों में भाग निकले। बाद में उनमें से कुछ को ढूंढकर बचा लिया गया, जबकि अन्य का अभी भी पता नहीं चल पाया है। गौरतलब है कि इस मामले में मानस ज्योति सैकिया और राजा साहा नाम के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। एफआईआर में नामजद दो अन्य व्यक्ति, प्रतिज्ञा वेलनेस फाउंडेशन के गौतम दैमारी और लिव वेल रिहैबिलिटेशन सेंटर के मुन्ना हजारिका फिलहाल फरार हैं।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ...

ने भी भाग लिया। इसे राज्य में रेल विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच नए सहयोगात्मक दौर की शुरुआत माना जा रहा है। बैठक के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली को वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी से जोड़ेगा। परियोजना के पूरा होने पर उत्तर बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और यह लगभग छह घंटे तक सीमित हो सकता है। इससे क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पश्चिम बंगाल के 102 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इनमें से 10 स्टेशनों पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष स्टेशनों पर तेजी से काम किया जा रहा है। इसके अलावा राज्यभर में 538 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा, जिससे रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। रेल मंत्रालय ने 61 नई रेल परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से करिमपुर, जालंगी, लालगढ़, गोपीबल्लभपुर, नयाग्राम, हीली, सागर द्वीप और सुंदरबन जैसे क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की योजना है, जो लंबे समय से बेहतर रेल संपर्क की मांग कर रहे हैं। कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को भी इस पैकेज में प्रमुखता दी गई है। अगले पांच वर्षों में मेट्रो के लिए 60 नई पीढ़ी की ट्रेनों को शामिल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और अधिक क्षमता उपलब्ध होगी। साथ ही डानकुनी से सूरत तक प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी चर्चा हुई, जिसे औद्योगिक विकास और माल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में पश्चिम बंगाल के लिए 14,205 करोड़ का रिकॉर्ड रेल बजट आवंटित किया है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार रेल परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी नहीं आने देगी और सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बैठक में आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित रेल परियोजनाओं के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने माना कि अतीत में समन्वय की कमी और प्रशासनिक बाधाओं के कारण कई परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहीं। हालांकि अब बेहतर सहयोग और स्पष्ट रणनीति के साथ इन परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है। रेल मंत्री ने नबान्न पहुंचने से पहले कोलकाता मेट्रो में यात्रा कर यात्रियों से संवाद भी किया। उनकी यह यात्रा और बैठक राज्य में रेल अवसंरचना के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ईएसी टीम के साथ ...

गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल बनाने के तरीकों पर विचार किया। इसी मकसद से इस मीटिंग में दो मुख्य बातों पर जोर दिया गया। पहली ये कि सरकार आने वाली जरूरतों के हिसाब से पहले से ही सही नियम और नीतियां बनाएगी। दूसरी ये कि देश की अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी बड़े सुधार किए जाएंगे। पिछले महीने पीएम मोदी ने नागरिकों से *वर्क फ्रॉम होम* को प्राथमिकता देने, ईंधन की खपत कम करने, एक साल तक विदेश यात्रा से बचने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल कम करने, प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने और सोना खरीदने में कमी लाने की अपील की। ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में आवागमन के तरीकों में बदलाव लाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करके पेट्रोल और डीजल की खपत कम करें। इसके साथ ही निजी वाहनों की जरूरत पड़ने पर कारपूलिंग का विकल्प चुनें, सामान की ढुलाई के लिए रेलवे परिवहन को प्राथमिकता दें और जहां भी संभव हो, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाएं।

वायनाड में 150 स्कूली ...

मार बेसिलियोस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के स्टूडेंट्स हैं। इनमें से 38 स्टूडेंट्स जिन्हें लगातार हेल्थ प्रॉब्लम हो रही थीं, उन्हें इलाज के लिए बाथेरी तालुक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हेल्थ अधिकारियों के मुताबिक, अभी चिंता की कोई बात नहीं है। एहतियात के तौर पर स्कूल को एक हफ्ते के लिए बंद कर दिया गया है। प्रभावित स्टूडेंट्स के इलाज के लिए हॉस्पिटल में एक स्पेशल वार्ड बनाया गया है। स्कूल के एक टीचर ने भी तबीयत खराब होने की बात कही है। हॉस्पिटल गए लोकल पंचायत रिप्रेजेंटेटिव ने कहा कि बच्चों की हालत अभी स्टेबल है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ स्टूडेंट्स में 1 जून से लक्षण दिखने लगे थे। हालांकि बीमारी का सही कारण अभी तक पता नहीं चला है। डॉक्टरों ने कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट ने सैंपल इकट्ठा करके टेस्टिंग के लिए भेज दिए हैं ताकि यह पता चल सके कि बीमारी किस वजह से फैली। बड़े पैमाने पर बच्चों के बीमार होने से इनके अभिभावक भी चिंतित हैं। बीमारी कैसे फैली इसकी जांच की जा रही है।

फिरोजपुर में ओवरलोडेड ...

मौका ही नहीं मिला। टक्कर लगते ही पिकअप सवार लोग एक दूसरे पर गिरे, जबकि ऊपर बने टूल बॉक्स में बैठे पांच लोग उछलकर ट्राले का शीशा तोड़ते हुए उसके अंदर जा गिरे, जिससे उनकी मौत हो गई। इसमें 13 साल की बच्ची भी शामिल है। मृतकों की पहचान महिंदर सिंह, राजकुमार, माइयां बाई, दर्शन सिंह, महिंदर कौर, जीतो बाई, विद्या बाई, करनैल सिंह और सुखविंदर कौर के तौर पर हुई है। फिरोजपुर में हुए भीषण सड़क हादसे के 14 घायलों को फरीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों का हालचाल जानने के लिए विधायक गुरदित्त सिंह सेखों अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी मरीजों का बेहतर और निशुल्क इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नीतू कुक्कड़ ने बताया कि चार की हालत गंभीर है, जिन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। इस हादसे में मल सिंह, लक्ष्मी, गोमा बाई, जिगर, दारा सिंह, सोनिया रानी, रानो, जेहन, सुखदेव सिंह, गुरमीत सिंह, करनैल सिंह, रिंकू, विद्या बाई, रीत कौर घायल हुए हैं। एसएसपी फिरोजपुर भूपिंदर सिंह के अनुसार पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं करने के बाद शवों को वारिसों के हवाले कर दिया है।

छत्तीसगढ़ : एक सप्ताह ...

आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पीलिया से पांच लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को गांवों में जाकर सर्वे किया। सरगुजा सीएमएचओ ने बताया कि दो मौतें पीलिया से होने की जानकारी मिली है। एक को क्रोनिक डिजीज था। बाकी मौतों की जानकारी की जांच की जा रही है। नर्मदापुर, कुनिया और बरिमा में पीलिया से कुछ लोगों के पीड़ित होने और मौत की जानकारी मिली थी। कुनिया में चार स्थानों के पानी का सैंपल लिया गया है। पीलिया से जिन लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है, उनमें कुनिया के पूर्व उप सरपंच जितेंद्र यादव, नर्मदापुर की भाग्यवती यादव, बरिमा के कक्षा 9वीं के छात्र विकास यादव और बइगहवा गांव की एक युवती शामिल हैं। मैनपाट के पीलिया पीड़ित उदयभान यादव और सुभाष यादव का इलाज अंबिकापुर के माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल और जीवन ज्योति हॉस्पिटल में किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप लगाकर संभावित मरीजों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा कई अन्य मरीजों का इलाज अंबिकापुर और रायपुर के अस्पतालों में चल रहा है।

यूसुफ को सीट छोड़ने के...

पूर्व मुख्यमंत्री को उस सीट से उपचुनाव लड़ने का मौका दें। पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदार्पण पर बहरामपुर में दिग्गज कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया। बहरामपुर को टीएमसी के लिए सुरक्षित सीट माना जाता है, जहां 50-52 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। हालांकि, गांगुली ने बाद में पठान से अपनी सीट खाली करने के लिए संपर्क करने से इनकार किया और इसे सत्य की घोर अवहेलना बताया। उन्होंने कहा कि उपरोक्त आरोप असत्य हैं। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि छपी और प्रकाशित खबरों की सत्यता की पुष्टि किए बिना अफवाहों और अटकलों पर विश्वास न करें। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि लेख में उल्लिखित आरोपों की सत्यता की जांच और पुष्टि करना आवश्यक नहीं समझा गया। उन्होंने कहा कि इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ममता बनर्जी ने मुझसे कभी भी यूसुफ पठान को उनकी ओर से कोई संदेश देने का अनुरोध नहीं किया, चाहे वह आरोप के अनुसार अपने संसदीय पद से इस्तीफा देने से संबंधित हो या किसी भी तरह से। उन्होंने आगे कहा कि वे किसी भी स्तर पर राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं रहे हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब टीएमसी, जिसने 2026 के विधानसभा चुनावों में केवल 80 सीटें जीती थीं, अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट का सामना कर रही है, क्योंकि 60 से अधिक विधायकों ने पार्टी से अलग होकर निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना है। कई पार्टी नेताओं ने पार्टी नेतृत्व के प्रति खुले तौर पर असंतोष व्यक्त किया है और पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

नेहरू ने अपने कार्यकाल ...

ने 2-2 विदेशी संसदों में भाषण दिए थे। प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही समय बाद 2014 में नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया, फिजी, नेपाल और भूटान की संसदों को संबोधित किया। इसके बाद 2015 में उन्होंने मॉरीशस की नेशनल असेंबली, श्रीलंका की संसद, मंगोलिया की संसद और ब्रिटेन की संसद में भाषण दिया। दिसंबर 2015 में मोदी ने अफगानिस्तान की संसद को संबोधित किया। जून 2016 में उन्होंने पहली बार अमेरिका की कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, जिसे उनके सबसे चर्चित विदेशी भाषणों में माना जाता है। इसके बाद 2018 में उन्होंने युगांडा और 2019 में मालदीव की संसद में भाषण दिया। साल 2023 में मोदी ने दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। वहां उन्होंने कहा था कि भारत लोकतंत्र की जननी है और लोकतंत्र बहस, संवाद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। भाजपा के मुताबिक, 2024 में मोदी ने गुयाना की संसद को संबोधित किया। जुलाई 2025 में उन्होंने घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया की संसदों में भाषण दिए। इसके बाद उन्होंने इथियोपिया की संसद को भी संबोधित किया। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल की संसद केनेसट को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 7 अक्तूबर 2023 के हमास हमले का जिक्र किया और मारे गए इजराइली नागरिकों के प्रति संवेदना जताई। उन्हें इजराइली संसद का सर्वोच्च सम्मान भी दिया गया। फरवरी 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी 79 देशों की 99 विदेश यात्राएं कर चुके हैं। विदेशी संसदों में उनके भाषण भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव को दिखाते हैं।

हमारा तेल समंदर ...

हिस्से से जहाज गुजरते हैं, वह 3-3 किमी की शिपिंग लेन और 3 किमी का बफर जोन पूरी तरह ईरान और ओमान की समुद्री सीमा में आता है। ईरान पहले से ही यहां कब्जा किए हुए है और अब ओमान के साथ मिलकर पूरा नियंत्रण चाहता है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो ईरान बड़ी तबाही के लिए तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप डबल गेम खेल रहे हैं। एक तरफ वॉर्ता का दिखावा, दूसरी तरफ मिनी वॉर मॉडल को बढ़ाने की तैयारी। नाकाबंदी कड़ी कर दी गई है और सैन्य तैनाती बढ़ाई जा रही है। लेकिन ईरान अब यह छलयुद्ध समझ चुका है। उसने मिसाइल प्रोडक्शन तेज कर दिया है। ईरान का मिशन 300 कभी भी शुरू हो सकता है। इस योजना के तहत ईरान एक-एक मिनट में एक देश को तबाह कर सकता है। मिसाइलों की रेंज और हमले का समय कुछ इस प्रकार है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर खाड़ी देशों पर हमले हुए तो वे घबराकर ट्रंप पर दबाव बनाएंगे। तब ट्रंप को ईरान के साथ स्थायी युद्धविराम पर हस्ताक्षर करने मजबूर होना पड़ सकता है। लेकिन अभी यह सिर्फ ईरान की योजना है, ट्रंप का प्लान अभी बाकी है।

तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश...

राजनीतिक हलचल तेज बनी हुई है। प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस्तीफे की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने भारी मन से तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश सचिव पद से इस्तीफा देने और पार्टी से अपने संबंध समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि यह फैसला उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद लिया है और उन्हें अपने निर्णय पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने प्रदेश सचिव के रूप में कार्यकाल के दौरान सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन देने वाले पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व, पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही पार्टी नेतृत्व से उनका इस्तीफा स्वीकार कर उन्हें सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध किया।

जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ...

राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान जम्मू पंजीकरण संख्या जेके02डीएन-6527 वाली एक बलेनो कार को रोका गया। वाहन में सवार दो व्यक्तियों की पहचान सिकंदर खान (32) पुत्र नजीर अहमद खान निवासी गिंगल उरी तथा वकील अहमद ठाकरी (40) पुत्र नूरदीन ठाकरी निवासी कमलकोट उरी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वकील अहमद ठाकरी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में जवान के पद पर कार्यरत हैं। वह पहले 218 बटालियन, छत्तीसगढ़ में तैनात थे और हाल ही में उनका स्थानांतरण 237 बटालियन, राजस्थान में हुआ था। हालांकि, उन्होंने अभी तक नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया था। वहीं, सिकंदर खान स्थानीय निवासी है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि दोनों आरोपित पिछले दो दिनों से वाहन लेकर इलाके में घूम रहे थे। चेकिंग के दौरान वाहन और उसमें सवार व्यक्तियों की तलाशी लेने पर एक 12-बोर राइफल और 50 कारतूस बरामद किए गए। मौके पर मौजूद टीम ने मामले की सूचना एसएचओ बारामूला को दी, जिसके बाद दोनों व्यक्तियों को पूछताछ के लिए जीआईसी बारामूला लाया गया। बाद में आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें बारामूला पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया। जांच के दौरान यह सामने आया कि बरामद 12-बोर राइफल वकील अहमद ठाकरी के नाम पर लाइसेंसी हथियार है, जिसे उन्होंने 5 जून, 2026 को गंग्याल, जम्मू से खरीदा था।

डिब्रूगढ़ को दूसरी राजधानी बनाने को 500 करोड़ के विशेष पैकेज का भाजपा ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार के उस निर्णय का स्वागत किया है, जिसके तहत डिब्रूगढ़ को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पार्टी ने इसे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी सोच और राज्य के संतुलित विकास की रणनीति का हिस्सा बताया है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता मानस शरणिया ने जारी बयान में कहा कि एनडीए 3.0 मंत्रिपरिषद के विस्तार के बाद हुई कैबिनेट बैठक में डिब्रूगढ़ को दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी-डिब्रूगढ़ (एससीआरडीए) के गठन को मंजूरी दी गई है। इस निर्णय के तहत डिब्रूगढ़ राजधानी क्षेत्र के 20 किलोमीटर के दायरे में बुनियादी ढांचे के विकास और विभिन्न परियोजनाओं के लिए अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का विशेष कोष उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। डिब्रूगढ़ को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर ऊपरी असम के लोगों को प्रशासनिक सेवाएं उनके निकट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इससे लोगों को गुवाहाटी तक आने-जाने में लगने वाले समय और अतिरिक्त खर्च से राहत मिलेगी। भाजपा ने डिब्रूगढ़ के विधायक तथा पूर्व मंत्री प्रशांत फूकन को स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भी शुभकामनाएं दी हैं। बयान में कहा गया है कि अनुभवी विधायक प्रशांत फूकन को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपना उनके अनुभव और योगदान का सम्मान है। भाजपा ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में डिब्रूगढ़ का तेजी से विकास होगा। बयान में यह भी कहा गया कि राज्य मंत्रिमंडल ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के समान विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायकों की स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को वर्ष 2026-27 से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष करने तथा 2027-28 से इसे 2 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष तक बढ़ाने के निर्णय का पार्टी ने स्वागत किया है। प्रदेश भाजपा ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पदोन्नति संबंधी निर्णयों का भी स्वागत करते हुए इसे जनकल्याणकारी कदम बताया है।

प्रेमिका को 17 बार चाकू से गोदकर की हत्या, 12 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के समीप डिमोरिया क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक युवती की निर्मम हत्या के आरोप में उसके प्रेमी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि युवती की 17 बार चाकू घोंपकर हत्या की गई थी। खेत्री पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। घटना के अनुसार, 4 जून की शाम करीब 7 बजे औजारी गांव के गांवबूढ़ा ने डिमोरिया के एक खेत में युवती का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में परिजनों ने पहुंचकर शव की पहचान सुष्मिता मंडल के रूप में की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि डिमोरिया निवासी विपुल मल्लिक ने युवती को डिमोरिया बुलाया था। आरोप है कि उसने धारदार हथियार से युवती पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। मृतका के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और गुवाहाटी से विपुल मल्लिक को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने बताया कि विपुल मल्लिक पहले भी एक बाल यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) मामले में जेल जा चुका था और इसी वर्ष फरवरी में रिहा हुआ था।

नगांव में *लव जिहाद* का आरोप अविवाहित बताकर युवती से की शादी

नगांव (हिंस)। राज्य के नगांव जिले के बेबेजिया क्षेत्र की एक उच्चशिक्षित असमिया युवती ने एक युवक पर विवाहिता होने की बात छिपाकर उससे शादी करने और बाद में शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। स्थानीय स्तर पर इस मामले को *लव जिहाद* से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप के अनुसार, युवती का चलचली क्षेत्र के निवासी आश्वादुल इस्लाम नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था। युवती का कहना है कि आश्वादुल ने स्वयं को अविवाहित बताकर उससे विवाह किया। बाद में युवती को पता चला कि आश्वादुल पहले से विवाहित है और एक बच्चे का पिता भी है। इस खुलासे के बाद दोनों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। युवती का आरोप है कि विवाह के बाद से ही उसके साथ शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की जाती रही। घटना को लेकर क्षेत्र में व्यापक चर्चा है। कुछ स्थानीय संगठनों और लोगों ने इसे लव जिहाद का मामला बताते हुए जांचकर और दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

गो-मांस विवाद : छात्र की मां गिरफ्तार, पांच छात्र जांच के दायरे में

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई स्थित हाबराघाट उच्च माध्यमिक विद्यालय में कथित गो-मांस विवाद मामले में पुलिस ने नौवीं कक्षा के छात्र सुमित आलम की मां नूर साहिदा बेगम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, विद्यालय में कथित रूप से गो-मांस लाने वाले छात्र सुमित आलम को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच के सिलसिले में कृष्णाई पुलिस ने चार अन्य छात्रों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोप है कि विद्यालय में पांच मुस्लिम छात्रों ने कक्षा के भीतर गो-मांस का सेवन किया था और दो हिंदू छात्रों पर भी उसे खाने का दबाव बनाया था। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली और पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शोणितपुर : नाबालिग से बलात्कार मामले में शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के सतिया में 11 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। शिकायत के अनुसार, 57 वर्षीय शिक्षक ने लीची का लालच देकर नाबालिग लड़की को अपने घर बुलाया और फिर यह दुष्कृत्य किया। घटना के समय, लड़की के एक दोस्त ने इसे देखा और स्थानीय लोगों को सूचित किया। समाचार मिलने के बाद, स्थानीय महिलाएं घटनास्थल पर पहुंचीं और आरोपित को पकड़ लिया। इसके बाद, उन्होंने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना का पूरा विवरण उजागर करने के लिए कानूनी कदम उठाए हैं।

गुवाहाटी : सातगांव थाने के पुलिस अधिकारी का दंडात्मक तबादला

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर के सातगांव पुलिस थाने में तैनात पुलिस अधिकारी जयंत राजखोवा का दंडात्मक तबादला कर दिया गया है। उन्हें डीसीपी सेंट्रल कार्यालय में स्थानांतरित किया गया है। यह कार्रवाई एक युवक के साथ कथित दुर्व्यवहार और धमकी देने के आरोपों के बाद की गई है। जानकारी के अनुसार, जयंत राजखोवा पर आरोप है कि उन्होंने अमान हजारिका नामक एक युवक को एनकाउंटर की धमकी दी थी। साथ ही, उन पर सार्वजनिक सड़क पर युवक के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। बताया गया है कि यह घटना 29 मई को गुवाहाटी के पंजाबाड़ी क्षेत्र में हुई थी।

बाक्सा जिले में बाढ़ और तूफान हुए नुकसान को लेकर बैठक आयोजित

मुसलपुर। बाक्सा डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए) ने आज मुस्लिमपुर में डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ऑफिस के मीटिंग रूम में 2025-26 और 2026-27 के लिए बाढ़ की तैयारी के उपायों और तूफान/बाढ़ से हुए नुकसान के असेसमेंट का रिव्यू करने के लिए एक मीटिंग की। मीटिंग की अध्यक्षता बाक्सा डिस्ट्रिक्ट के डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर किमनेई चांगचन ने की। डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ने आने वाले बाढ़ के मौसम के लिए सभी डिपार्टमेंट की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सेंसिटिव इलाकों में रेगुलर फील्ड इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया ताकि यह पक्का हो सके कि सभी जरूरी उपाय और रिसोर्स मौजूद हैं। मीटिंग में बताया गया कि इमरजेंसी में इस्तेमाल के लिए 15 रिलीफ कैंप पहले ही पहचाने और तैयार कर लिए गए हैं। डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ने हर रेवेन्यू सर्कल में एक मॉडल रिलीफ कैंप लगाने पर भी जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को यह पक्का करने का निर्देश दिया गया कि रिलीफ कैंप ऊंची जमीन पर लगाए जाएं और उनमें पीने का पानी, बिजली, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी जरूरी सुविधाएं हों। राहत कैंपों में खाने-पीने की चीजें, दवाइयां, एंटी-वेनम, जानवरों के इलाज वगैरह जैसी जरूरी सेवाओं की तैयारी का रिव्यू किया गया। संबंधित डिपार्टमेंट को बाढ़ के दौरान किसी भी स्थिति से असरदार तरीके से निपटने के लिए जरूरी चीजों और इमरजेंसी सप्लाई का काफी स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया गया। मीटिंग में अलग-अलग डिपार्टमेंट द्वारा सर्कल लेवल टास्क फीर्स कमेटियों को दिए गए प्रपोजल का भी रिव्यू किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ने सभी संबंधित डिपार्टमेंट को जल्द से जल्द बाकी प्रपोजल का स्टेटस जमा करने का निर्देश दिया और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में बचाव और बचाव के उपायों में तेजी लाने पर जोर दिया। रेस्क्यू ऑपरेशन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स ऑपरेशन की तैयारियों पर भी डिटेल में चर्चा की गई। मीटिंग में अलग-अलग लाइन डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और उन्हें आने वाले बाढ़ के मौसम के लिए डिपार्टमेंट की तैयारियों और प्लान के बारे में जानकारी दी गई।

विश्वनाथ : नेताजी शाखा, गांवरक्षा वाहिनी तथा ओम् बजरंग वाहिनी का पर्यावरण दिवस आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। समग्र राज्य के साथ विश्वनाथ चारिआलि शहर के बौ बाजार में स्थित कालि मंदिर के प्रांगण में नेताजी शाखा, गांवरक्षा वाहिनी और ओम् बजरंग वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुरुआत संध्या 4 बजे से हुई जिसमें सर्वप्रथम एक मूल सभा का आयोजन किया गया। नेताजी शाखा के स्वयंसेवक संतोष कुमार महतो के संचालित सभा का अध्यक्षता प्रचारक कार्तिक गढ़ ने की। इसके बाद मुख्य अतिथि डाइट, विश्वनाथ के सेवानिवृत्त अध्यक्षा सरला देवी, विशिष्ट अतिथि क्रमशः राष्ट्रीय सेविका समिति के तेजपुर विभाग के शांता बरठाकुर, सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास, शिक्षक अभीजीत चौधरी, समाजसेवी जया शर्मा, सुष्मिता हाजरिका, शताब्दी राय को मंचासीन करवाया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उपस्थित अतिथियों को फुलाम गामोछा तथा एक पेड़ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभा का उद्देश्य व्याख्या विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास ने की। सभा में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजित किया गया। दो शाखा में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं से बारहवीं के विद्यार्थी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि सरला देवी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सारगर्भित व्याख्यान दी और आगामी दिनों में पर्यावरण को किस तरह विनिष्ट होने से बचाएं, इस पर नागरिक का सजगता पर विचार रखी। विशिष्ट अतिथि शांता बरठाकुर ने भी पर्यावरण पर विचार रखते हुए जलवायु परिवर्तन और जल संरक्षण पर व्याख्यान दी।

कोकराझाड़ : व्यवसायी का अपहरण मारपीट और फायरिंग का आरोप; केस दर्ज

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले में एक अत्यंत गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक युवक को बंदूक की नोक पर अगवा कर उसके साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित म्वनहासत ब्रह्म ने कोकराझाड़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी ज्ञान बसुमतारी और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोकराझाड़ थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार, बड़ो बातामारी गांव के निवासी व्यवसायी म्वनहासत ब्रह्म ने बताया कि यह घटना 3 जून की रात की है। पीड़ित के मुताबिक, रात करीब 11-30 बजे जब वह गाड़ी से करीगांव की ओर जा रहे थे, तब कोदमतला स्थित एनआरएल पेट्रोल पंप के पास ज्ञान बसुमतारी और उसके साथियों ने उनकी गाड़ी को रोका। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने बिना किसी कारण के उनके साथ गाली-गलौज की और पीछा करते हुए उनके वाहन पर पत्थर बरसाए, जिससे उनके वाहन का शीशा टूट गया। शिकायत के अनुसार, बाद में आधी रात को जब पीड़ित चानदामारी स्थित अपने फार्महाउस पर आराम कर रहे थे, तब आरोपी वहां दोबारा पहुंचे। पीड़ित ने शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने बंदूक दिखाकर उन्हें धमकाया और बेरहमी से पिटाई की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। साथ ही फार्महाउस में तोड़फोड़ भी की गई। व्यवसायी का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें जबरन एक बोलेरो गाड़ी में बैठाया, उनका चेहरा ढंक दिया और घंटों तक गाड़ी में घुमाते हुए मारपीट करते रहे। अगली सुबह करीब 4 बजे उन्हें उनके फार्महाउस के पास फेंक दिया गया। पीड़ित का कहना है कि इस हमले के बाद वे दो दिनों तक बिस्तर से नहीं उठ सके। व्यवसायी ने इस मामले में पुलिस को चोटों और संपत्ति के नुकसान के सबूत भी सौंपे हैं। उन्होंने कोकराझाड़ पुलिस से मांग की है कि मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की जाए, आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए।

गुवाहाटी में युवती की रहस्यमय मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर में एक युवती की रहस्यमय मौत से सनसनी फैल गई है। युवती का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया। यह घटना जू-रोड स्थित तीनिआली के कृपासिंधु पथ के एक आवास के दूसरे मंजिल पर सामने आई। मृतका उक्त आवास में संचालित पीजी (पेइंग गेस्ट) में रह रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मृत्यु के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

कोकराझाड़ : अवैध देसी हथियार के साथ शिकारी गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी और कोकराझाड़ पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत वन्यजीवों के शिकार की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध शिकारी को अवैध देसी हथियार के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसबी की वाह्य सीमा चौकी (बीओपी) नहरानी को एक सटीक खुफिया इनपुट मिला था। सूचना मिली थी कि सरलापाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगुरी गांव के वन क्षेत्र में कुछ उपद्रवी अवैध शिकार की फिराक में देसी बंदूक के साथ छिपे हुए हैं। सूचना मिलने के तुरंत बाद, नहरानी बीओपी के सहायक कमांडेंट श्री महा मृत्युंजय कुमार पाठक के नेतृत्व में एसएसबी की टीम हरकत में आई। कोकराझाड़ की डीएसपी सुश्री मीतुमा बसुमतारी और सरलापाड़ा बीओपी के कंपनी प्रभारी के साथ मिलकर एक संयुक्त *नाका सह तलाशी दल* का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आमगुरी गांव के लक्षित इलाके की घेराबंदी (कॉर्डन) की और सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान, रात लगभग 11-27 बजे सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देसी निर्मित हथियार बरामद हुआ। सुरक्षा बलों ने हथियार को जब्त कर आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान लखी राम मुर्मू, पिता का नाम राम साई मुर्मू, आमगुड़ी, सरलपाड़ा निवासी, जिला कोकराझाड़ के रूप में की गई है। गिरफ्तारी और जब्ती की प्रक्रिया पूरी करने के बाद, आरोपी और बरामद अवैध हथियार को अग्रिम विभागीय कार्रवाई हेतु कोकराझाड़ पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया गया है। 6वीं वाहिनी एसएसबी के अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में वन्यजीवों की रक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। इस सफल ऑपरेशन से क्षेत्र में अवैध शिकार की घटनाओं पर अंकुश लगाने में बड़ी मदद मिली है।

धुबड़ी : अगप कार्यालय में मना विश्व पर्यावरण दिवस

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिला असम गण परिषद धुबड़ी विधान परिषद की पहल और प्रबंध में जिला कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कार्यक्रम परिसर में वृक्ष रोपण किया गया। अनेको कार्यकर्ता की उपस्थिति में वृक्षारोपण का कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष विश्वजीत कलिता, केंद्रीय उप संपादक अमल कुमार शाहा जिला महासचिव अमृत चतुर्वेदी और परिषद के अन्य पदाधिकारियों ने किया। पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम के साथ ही परिषद कार्यालय में एक महत्वपूर्ण आलोचना सभा का आयोजन किया गयाष उक्त सभा में जलपान का भी आयोजन किया गया तथा उपस्थित सदस्यों में सचिव हजरत इस्लाम, ललित राय, संजीत दास, शाहिद इस्लाम, अधिवक्ता जहांगीर इस्लाम और अन्य सदस्य तथा अनेकों असम गण परिषद के सदस्यों उपस्थित थे।

बीजीएलए ने सिखना जवलाओ नेशनल पार्क में जैव विविधता संरक्षण की पहल शुरू की

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड की जैव विविधता की सुरक्षा के लिए एक नेक पहल के तौर पर कोकराझाड़ स्थित एनजीओ *बोड़ोलैंड गोल्डन लंगूर एसोसिएशन* (बीजीएलए) ने सिखना जवलाओ नेशनल पार्क में साइनबोर्ड लगाए हैं। इन साइनबोर्ड के जरिए पर्यटकों से अपील की गई है कि वे वाइल्डलाइफ जोन में प्रवेश करते समय नियमों का पालन करें। ये साइनबोर्ड नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार *डिगली* से *उल्टापानी* तक लगाए गए हैं। ये साइनबोर्ड उस सड़क के किनारे लगाए गए हैं जो सिखना जवलाओ नेशनल पार्क से होते हुए भूटान सीमा के पास स्थित पर्यटक स्थल *सरलपाड़ा* तक जाती है। इन साइनबोर्ड पर जंगली जानवरों की सुरक्षा के संदेश लिखे हैं। यह कार्यक्रम *विश्व पर्यावरण दिवस* के अवसर पर आयोजित किया गया था। बीजीएलए ने सरलापाड़ा जाने वाली सड़क के किनारे पौधे भी लगाए और पर्यटकों व पिकनिक मनाने वालों से अपील की कि वे वाइल्डलाइफ जोन में गाड़ी धीरे चलाएं, हॉर्न न बजाएं, शोर न करें और नेशनल पार्क के अंदर प्लास्टिक या पानी की बोतलें न फेंके। एसोसिएशन ने सरलापाड़ा पर्यटक स्थल का प्रबंधन करने वाली टीम के साथ एक छोटी बैठक भी की। उन्होंने टीम से कहा कि वे हर पर्यटक को कई भाषाओं में छपे पर्चे (पैम्फलेट) दें। इन पर्चों में उन नियमों के बारे में जानकारी हो जिनका पालन करके पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों, जैसे सिंगल-यूज प्लास्टिक और बोतलों को जलाशयों में फेंकने से रोका जा सके। उन्होंने पर्यटक स्थल के प्रबंधन और वहां से गुजरने वाले वाहनों के बारे में भी चर्चा की। साथ ही, उन्होंने पर्यटकों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम की जरूरत पर भी बात की, क्योंकि पर्यटकों की अधिक संख्या का पार्क के इकोसिस्टम पर असर पड़ सकता है। मीडिया से बात करते हुए, बीजीएलए के अध्यक्ष अजीत बसुमतारी ने कहा कि दुनिया भर में पेड़ लगाकर और बैठकें करके विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, लेकिन उनका मुख्य ध्यान जंगली जानवरों और जैव विविधता की सुरक्षा पर है। उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ ज़िले के चिरांग रिजर्व फॉरेस्ट में स्थित सिखना जवलाओ नेशनल पार्क अपनी हरियाली और जंगली जानवरों (जिनमें लुप्तप्राय प्रजातियां भी शामिल हैं) के लिए बहुत मशहूर है। यह पार्क एशियाई हाथियों, गोल्डन लंगूर, हॉर्नबिल, बाघ, हिरण, तितलियों की 350 प्रजातियों, सरीसृपों और पक्षियों के लिए जाना जाता है। लेकिन बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण के कारण रिजर्व फॉरेस्ट तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे जानवरों के आवास की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि नेशनल पार्क के अंदर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में पार्क के अंदर तेज रफ्तार गाड़ियों की वजह से एक गोल्डन लंगूर और एक हॉर्नबिल की मौत की खबरें आई हैं; साथ ही, इन गाड़ियों से रोजाना सैकड़ों तितलियां भी मारी जाती हैं और जंगली हाथियों से जुड़ी घटनाएं भी होती हैं। बसुमतारी ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को पार्क के अंदर लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। साथ ही, उन्हें पर्यटकों की गाड़ियों की संख्या को तय सीमा के अनुसार नियंत्रित करना चाहिए, पर्यटकों के लिए ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम लागू करना चाहिए, अवैध कब्जों से निपटना चाहिए और जैव-विविधता के संरक्षण के लिए काम करने वाले एनजीओ के साथ मिलकर नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।

रंगिया : श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न

रंगिया (विभास)। स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद समिति के नए अध्यक्ष हरिराम क्याल की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की पहली महत्वपूर्ण बैठक मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक के शुरुआती चरण में सचिव मुकेश सिकरिया द्वारा सभा के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया, जिसके बाद पुरानी समिति ने पूरी पारदर्शिता के साथ जरूरी दस्तावेज और प्रभार नई समिति को हस्तांतरित किए। इस दौरान अध्यक्ष हरिराम क्याल ने उपस्थित सभी लोगों से कार्यकारिणी के नए सदस्यों का परिचय करवाया। बैठक में समिति की मजबूती और कार्यकुशलता को बढ़ाने पर विस्तार भी किया गया और सदस्यों को विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। इस प्रथम बैठक में मुख्य रूप से मंदिर के रख-रखाव, पंचायती धर्मशाला के निर्माण कार्य की प्रगति सहित कई अन्य स्थानीय व धार्मिक मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। सभी सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में मंदिर हित से जुड़े कई अहम प्रस्ताव सर्वसम्मति से लिए गए। बैठक में नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरिराम क्याल, महासचिव मुकेश सिकरिया और कोषाध्यक्ष बासुदेव शर्मा के साथ-साथ निवर्तमान अध्यक्ष महेश सीकरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा नई कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने बैठक में भाग लेकर मंदिर के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

संपादकीय

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा। वह सब कुछ तबाह कर देंगे। फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है। कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है। अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है। इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है। कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया। वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं। अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे। संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है। यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन तब राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे। यदि अमरीकी संसद राष्ट्रपति की 'वीटो' को बेअसर करना चाहेगी, तो 290 सांसदों को प्रस्ताव के पक्ष में वोट करना होगा। वह 'महाभियोग' सरीखी स्थिति ही होगी, लिहाजा हमें असंभव लगता है। बहरहाल 'वॉल स्ट्रीट जरनल' जैसे विख्यात अखबार ने यह खबर छापी है कि ईरान के संदर्भ में युद्धविराम कभी भी टूट सकता है! युद्धविराम है ही कहां? तब राष्ट्रपति ट्रंप सेनाओं को हमलों की इजाजत भी दे सकते हैं। ट्रंप बेहद असमंजस में हैं, क्योंकि उन्हें युद्ध खत्म करने का संसदीय आदेश मिला है, वह खुद भी युद्ध के बाहर आने को आतुर, व्याकुल हैं, लेकिन परिस्थितियां उनके खिलाफ हैं। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी 'मूडीज' का नया आकलन है कि यदि एक सप्ताह में युद्ध नहीं रोका गया, तो उसके भयावह नतीजे होंगे। अमरीका में ही 'आर्थिक मंदी' फैल सकती है। युद्ध के कारण तेल-गैस की कीमतें 4-5 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी हैं, नतीजतन उत्पादन और परिवहन की लागत बढ़ गई है। मुद्रास्फीति का स्तर करीब 4.2 फीसदी तक बढ़ चुका है, जो अमरीका में अभूतपूर्व, अप्रत्याशित है। अमरीका ही नहीं, यूरोप में उर्वरक के दाम 70 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। उससे भारत भी अछूता नहीं है, लिहाजा किसानों को सलाह दी जा रही है कि कम खाद का इस्तेमाल करें। भारत सरकार को खाद, उर्वरकों पर ही करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी देनी पड़ रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार-रविवार को कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। वह युद्ध समाप्ति की शुरुआत की खबर होनी चाहिए, क्योंकि ईरान युद्ध ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था हिला कर रख दी है। खाद्य और ऊर्जा के संकट इतने विकराल होते जा रहे हैं कि अकाल और भुखमरी की नौबत सामने दिखाई देने लगी है। विश्व में स्थायी शांति की जरूरत है। युद्धों से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता।

ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे।

कुछ अलग

आशीर्वाद की सुनामी...

चाहे अलग-अलग राजनीतिक दल यह लाख दावे करते रहें कि चुनावों में उनके समर्थकों ने बाजी मारी है, लेकिन असलियत तो यह है कि जो लोग चुनाव जीते हैं, वे सब मेरे ही आदमी हैं। सब लोग मुझे बडक़ा जी कहते आए हैं। इस नाते मेरा उन सब पर आशीर्वाद था। अगर वे लोग मुझे बडक़ा जी कहकर मान-सम्मान न देते तो पब्लिक ऐसे लोगों को कभी स्वीकार नहीं करती। पब्लिक को मालूम था कि यह सब बडक़ा जी के बंदे हैं, इसलिए उसने खुलकर उनके पक्ष में मतदान किया और मेरा आशीर्वाद जीत की सुनामी में बदल गया। इन चुनावों में भले ही मैं सीधे तौर पर किसी के लिए वोट नहीं मांग रहा था, लेकिन पर्दे के पीछे मैं जो कुछ कर रहा था, यह जीतने वालों को और सिर्फ ईश्वर को मालूम था। पत्रकारों को मैंने इसकी भनक तक नहीं लगने दी। इसलिए ये मेरी ऐतिहासिक भूमिका को समझ ही नहीं पाए। रिजल्ट वाले दिन से मेरा मोबाइल लगातार बज रहा है। कोई कह रहा है, 'बडक़ा जी, आपकी कृपा से जीत गए।' कोई कह रहा है, 'बडक़ा जी, आपका आशीर्वाद न होता तो जमानत भी मुश्किल थी।' एक सज्जन तो रो ही पड़े। मैंने पूछा, 'क्यों भाई, जीतकर भी रो रहे हो?' बोले, 'भावुक हो गया हूं बडक़ा जी।' मैंने कहा, 'ठीक है, लेकिन अगली बार जीत का श्रेय सार्वजनिक रूप से देना। भावुकता अपनी जगह, प्रचार अपनी जगह।' अब हालत यह है कि जो उम्मीदवार जीत गया, वह मेरा आदमी है और जो हार गया, वह भी दावा कर रहा है कि वह मेरा आदमी है। हारने वालों का तर्क भी कम दिलचस्प नहीं। वे कहते हैं, 'बडक़ा जी, हमने आपकी बात मानी थी, लेकिन जनता ने नहीं मानी।'

कई महिला सरपंचों ने जल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए

कब तक सरपंचों, पार्षदों के हक का उपयोग करते रहेंगे पति?

डॉ. प्रियंका सौरभ

पंचायतें और नगर निकाय लोकतंत्र की वह सबसे छोटी लेकिन सबसे जीवंत इकाई हैं, जहां जनता अपने प्रत्यक्ष प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करती है। इन्हीं संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया, ताकि वे केवल घरेलू दायरे तक सीमित न रहें, बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकें। लेकिन आज एक कटु सच्चाई यह है कि अनेक स्थानों पर महिला सरपंच और महिला पार्षद केवल नाम की प्रतिनिधि बनकर रह गई हैं, जबकि वास्तविक कामकाज उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य संभाल रहे हैं। यही स्थिति "सरपंच पति" और "पार्षद पति" जैसी संज्ञाओं को जन्म देती है। यह प्रश्न केवल औपचारिकता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कोई महिला निर्वाचित होकर पद संभालती है, तो उसके पीछे जनता का विश्वास, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी होती है।

भारत में लोकतंत्र की जड़ें केवल संसद, विधानसभा और बड़े राजनीतिक मंचों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और नगरों की स्थानीय संस्थाओं में भी गहराई से फैली हुई हैं। पंचायतें और नगर निकाय लोकतंत्र की वह सबसे छोटी लेकिन सबसे जीवंत इकाई हैं, जहां जनता अपने प्रत्यक्ष प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करती है। इन्हीं संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया, ताकि वे केवल घरेलू दायरे तक सीमित न रहें, बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकें। लेकिन आज एक कटु सच्चाई यह है कि अनेक स्थानों पर महिला सरपंच और महिला पार्षद केवल नाम की प्रतिनिधि बनकर रह गई हैं, जबकि वास्तविक कामकाज उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य संभाल रहे हैं। यही स्थिति "सरपंच पति" और "पार्षद पति" जैसी संज्ञाओं को जन्म देती है। यह प्रश्न केवल औपचारिकता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कोई महिला निर्वाचित होकर पद संभालती है, तो उसके पीछे जनता का विश्वास, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी होती है। यदि उसकी जगह कोई और व्यक्ति निर्णय लेता है, बैठकों में भाग लेता है या प्रशासनिक कार्य करता है, तो यह उस जनादेश का अपमान है जिसे मतदाताओं ने दिया था। महिला प्रतिनिधि के नाम पर किसी पुरुष का सत्ता चलाना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन है, बल्कि यह आरक्षण नीति की मूल भावना को भी कमजोर करता है। 73वें और 74वें संविधान संशोधन ने भारत में स्थानीय स्वशासन को नया आयाम दिया। इन संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया। उद्देश्य यह था कि महिलाएं पंचायतों में केवल संख्या के रूप में न दिखें, बल्कि नेतृत्व, प्रशासन, योजना-निर्माण और नीति-क्रियान्वयन में भाग लें। इससे लाखों महिलाएं स्थानीय राजनीति में आईं, जिनमें अनेक ने असाधारण क्षमता, संवेदनशीलता और जनसंपर्क का परिचय दिया। कई महिला सरपंचों ने जल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी तरह पुरुषों से कम नहीं हैं। फिर भी यह भी सच है कि व्यापक सामाजिक संरचना आज भी पितृसत्तात्मक है। गांवों में, विशेषकर उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में, महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए पर्याप्त सामाजिक स्वीकृति नहीं मिलती। कई बार वे पढ़ी-लिखी होते हुए भी परंपरागत दबावों, पारिवारिक नियंत्रण और भय के कारण निर्णय लेने से बचती हैं। कुछ जगहों पर तो विवाह के बाद महिला प्रतिनिधि की राजनीतिक पहचान लगभग समाप्त हो जाती है और उसका स्थान पति ले लेता है। परिणामस्वरूप उसका संवैधानिक अधिकार कागज़ पर तो बना रहता है, लेकिन व्यवहार में वह अधिकार परिवार के

पुरुष सदस्य के हाथ में चला जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। समस्या की जड़ केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और संस्थागत दोनों है। कई परिवारों में यह मानसिकता बन गई है कि महिला प्रतिनिधि का पद वास्तव में "परिवार का पद" है, जिसका संचालन पति या ससुर करेंगे। ऐसा सोचने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि निर्वाचित पद किसी परिवार को नहीं, एक व्यक्ति को मिला होता है। कानून की दृष्टि से भी पदाधिकारी वही होता है जिसे जनता ने चुना है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसके नाम पर निर्णय लेने लगे, तो यह प्रतिनिधि शासन की अवधारणा के विरुद्ध है। इससे न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित होती है, बल्कि यह भविष्य की महिला नेतृत्व पीढ़ी के लिए भी गलत संदेश देता है। हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा इस मुद्दे पर की गई टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आयोग ने स्पष्ट कहा कि महिला सरपंचों की जगह उनके पतियों का सरकारी बैठकों या प्रशासनिक कार्यों में भाग लेना गलत है। यह कथन केवल प्रशासनिक सख्ती का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस सच्चाई की ओर भी इशारा करता है कि महिला आरक्षण को अभी भी गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि के अधिकार किसी और को सौंपे जाने लगें, तो फिर निर्वाचन प्रक्रिया का अर्थ ही क्या रह जाता है? आयोग की टिप्पणी ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श में ला दिया कि क्या हम वास्तव में महिलाओं को सत्ता दे रहे हैं, या केवल उनका नाम इस्तेमाल कर रहे हैं? कई लोगों का तर्क होता है कि ग्रामीण महिलाएं अक्सर अशिक्षित, अनुभवहीन या सामाजिक दबाव में होती हैं, इसलिए उनके पति प्रशासनिक काम संभाल लेते हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। किसी महिला की कमजोरी के कारण उसका अधिकार उससे छीन लेना न्यायसंगत नहीं हो सकता। यदि कोई महिला पढ़ी-लिखी नहीं है, तो उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। यदि उसमें प्रशासनिक अनुभव की कमी है, तो उसे प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यदि सामाजिक दबाव है, तो समाज और प्रशासन को उसे सुरक्षा और सहयोग देना चाहिए। समस्या का इलाज अधिकार हस्तांतरण नहीं, बल्कि अधिकार-सशक्तिकरण है। यहीं पर राज्य और समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, कानून, ग्रामसभा संचालन, विकास योजनाओं और शिकायत निवारण की उचित जानकारी दी जाए। केवल चुनाव कराकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यदि महिलाओं को नियमित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग मिले, तो वे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। कई राज्यों में महिला सरपंचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिनसे सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं नेतृत्व करने में सक्षम हैं, बस उन्हें अवसर और वातावरण दोनों चाहिए। लेकिन केवल प्रशासनिक उपाय ही पर्याप्त नहीं होंगे। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक "सरपंच पति" और "पार्षद पति" की संस्कृति बनी रहेगी। गांवों और छोटे शहरों में अक्सर राजनीतिक शक्ति को पुरुष प्रभुत्व से जोड़ा जाता है। महिला को पद मिलता है, लेकिन उसे निर्णयों में अंतिम शब्द कहने की अनुमति नहीं होती। कई बार बैठक में वह उपस्थित रहती है, पर बोलता उसका पति है। कभी-कभी अधिकारी भी महिला प्रतिनिधि की बजाय पति से संवाद करना अधिक सुविधाजनक समझते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए हानिकारक है, क्योंकि इससे गलत प्रथा को अप्रत्यक्ष वैधता मिलती है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। इसका मतलब है जनता की समस्याओं को समझना, प्राथमिकताओं को तय करना, संसाधनों का न्यायसंगत वितरण करना और जवाबदेही निभाना। जब महिला प्रतिनिधि की जगह कोई पुरुष यह सब करने लगता है, तो महिला की राजनीतिक पहचान क्षीण हो जाती है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव यह होता है कि समाज में यह धारणा मजबूत होती है कि महिलाएं नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि महिलाएं अधिक संवेदनशील, व्यावहारिक और जनहितोन्मुख नेतृत्व भी दे सकती हैं। अनेक शोध और स्थानीय अनुभव बताते हैं कि महिला नेतृत्व कई बार पारदर्शिता और सामाजिक सरोकारों को बढ़ाता है। यह भी याद रखना चाहिए कि महिला आरक्षण किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं है। यह ऐतिहासिक अन्याय को संतुलित करने का संवैधानिक उपाय है। सदियों तक महिलाओं को राजनीति, सार्वजनिक जीवन और संपत्ति-संबंधी निर्णयों से दूर रखा गया। उन्हें परिवार और घर की सीमाओं तक बांध दिया गया। आरक्षण उसी असमानता को कम करने का प्रयास है। इसलिए यदि आरक्षण के नाम पर पुरुष नियंत्रण जारी रहता है, तो यह ऐतिहासिक अन्याय को बनाए रखने जैसा है। वास्तव में, "सरपंच पति" की संस्कृति आरक्षण की उपलब्धि को खोखला कर देती है।

देश दुनीया से

नन्हें सपनों को रौंदती हैवानियत

भारत प्राचीन काल से ही उच्च नैतिक मूल्यों और अहिंसा के लिए विश्व विख्यात है। यहां नैतिक मूल्यों को बहुत महत्व दिया जाता था, परन्तु वर्तमान में इंसान नैतिक मूल्यों को भूलकर अनैतिक क्रियाकलापों में लगा हुआ है। यहां तक कि पवित्र रिश्तों को भी तार-तार कर रहा है। भारत में वर्तमान में महिलाओं और बच्चियों के यौन उत्पीडन से निपटने के लिए कड़े कानून बनाए हैं, परंतु इसके बावजूद रेप और हत्याओं की रफ्तार तेजी पकड़ रही है। यह एक चिंता का विषय है। महिलाओं के साथ बढ़ती हुई यौन उत्पीडन की घटनाओं पर भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी दुःख एवं चिंता प्रकट की है। संपूर्ण भारत में नाबालिगों के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के मामले दिन प्रतिदिन भयावह रूप धारण कर रहे हैं। देवभूमि के नाम से प्रसिद्ध हिमाचल प्रदेश भी नाबालिगों के साथ रेप-हत्या के मामलों में पीछे नहीं है। बहुत से मामले तो यहां रिपोर्ट ही नहीं होते हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग में वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में नाबालिगों के साथ दुष्कर्म के रिपोर्ट हुए मामलों में बहुत बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इस वर्ष के पहले तीन महीनों में पूरे प्रदेश में 49 मामले रिपोर्ट हुए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 9 मामले रिपोर्ट हुए थे। यह सरकार एवं समाज के लिए चिंतनीय है। सिरमौर जिले में सबसे ज्यादा मामले रिपोर्ट हुए तथा लाहौल और स्पीति में कोई भी मामला इस समय अवधि में रिपोर्ट नहीं हुआ है। हिमाचल में हाल ही में हुए मामलों में से कुछ मामलों का विवरण उल्लेखनीय है। ऊना के अंब उपमंडल में 27 मार्च 2026 को 3 साल की मासूम बच्ची का यौन उत्पीडन हुआ। आरोपी ने बच्ची को कन्या पूजन के बहाने घर ले जाकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश तेज कर दी है। कुल्लू जिला के आनी में एक नाबालिग ने अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया। पीड़िता की माता ने युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। हमीरपुर जिले के एक गांव में एक युवक ने मानवता और रिश्तों को तार-तार करते हुए अपनी सगी बुआ की 14 वर्षीय बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाया। महिला

थाना पुलिस ने युवक को पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। मंडी जिले के सुंदरनगर क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सामाजिक ताने-बाने और बच्चों के बीच पनपती अपराध की प्रवृत्ति पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं और समाज को इस विषय पर गंभीर चिंतन करने को मजबूर कर दिया है। यहां एक 11 वर्षीय बालक पर 7 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला पुलिस स्टेशन सुंदरनगर में पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुआ है। समाज को बच्चों की सुरक्षा और उनके व्यवहार पर कड़ी निगाह रखने की आवश्यकता है। इतनी कम उम्र में ऐसा अपराध समाज के लिए खतरे की घंटी है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के भवारना पुलिस थाना क्षेत्र में एक कलयुगी पिता ने अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगी की हदें पार करते हुए उसका यौन शोषण किया और नाबालिग ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। नाबालिग के पिता को उसकी शिकायत पर 29 अप्रैल 2026 को पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के ढालपुर स्थित कंप्यूटर सेंटर में पढ़ाई कर रही नाबालिग छात्रा का उसके दो सहपाठियों ने 10 अप्रैल 2026 को किराए के कमरे में ले जाकर दुष्कर्म को अंजाम दिया। पीड़िता की माता ने महिला पुलिस थाना कुल्लू में शिकायत दर्ज करवाई है। यहां दिए गए मामलों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हमारा समाज पतन की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। जिन बालिकाओं को देवी मां का रूप समझ कर पूजा जाता है, आज उनको ही हवस का शिकार बनाया जा रहा है। ज्यादातर रेप जान-पहचान के पुरुषों ने ही किए हैं जिनमें खूनी रिश्तेदार, पारिवारिक मित्र, पड़ोसी, सहकर्मी और सहपाठी शामिल हैं। नाबालिग बच्चियों के रेप में नाबालिग लडक़ों से लेकर ज्यादा आयु के पुरुष भी शामिल हैं। समाज का मार्गदर्शक रहे शिक्षा मंदिर आज अपनी मूल पहचान खोते जा रहे हैं। प्राचीन समय में जहां विद्यालय केवल साक्षरता नहीं बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता के जीवंत केन्द्र हुआ करते थे, वहीं आज व्यावसायिकता की अंधी आंधी की दौड़ में संस्कारी शिक्षा हाशिए पर आ गई है जिसके गंभीर परिणाम हमारा समाज वर्तमान में तथा आगे भी भुगतेगा। पवित्र रिश्तों की मर्यादा जिस कद्र तार-तार हो रही है, इसके लिए हमें अपने देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन करने होंगे। भारतवर्ष की शिक्षा प्रणाली जो रोजगार पाने के लिए ही युवाओं को तैयार करती है, उसमें अब जरूरत है कि सामाजिक शिक्षा अनिवार्य की जाए ताकि युवा रिश्तों की गरिमा को भी समझें। महिलाएं जो इस समाज का एक अभिन्न अंग हैं, उनके प्रति आदर और सुरक्षा का भाव पैदा हो। यह हर परिवार की नैतिक जिम्मेदारी भी है कि परिवार के पुरुष सदस्यों को महिलाओं के प्रति आदर करने की शिक्षा अवश्य दी जाए। हम इक्कीसवीं सदी में अमीर देशों की सूची में नाम लिखवाने जा रहे हैं, परंतु औरतों के प्रति सोच नहीं बदल पा रहे हैं जिसका प्रभाव देश की छवि, पर्यटन तथा निवेश पर भी पड़ रहा है। इसलिए महिलाओं के प्रति बढ़ते यौन उतपीडन की घटनाओं, जिन्होंने भयावह रूप धारण कर लिया है, पर राजनीतिक इच्छा शक्ति के साथ प्रहार करना होगा तथा सोशल मीडिया पर परोसी जा रही सामग्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिनियम लाने की जरूरत है क्योंकि यह सामग्री ही कामुकता को बढ़ाती है।

आप का नजरीया

आपदाग्रस्त पर्यटन

दिल्ली के होटल में लगी आग ने समूची पर्यटन इंडस्ट्री को चेतावनी दी है, तो कुछ संदर्भ हिमाचल से भी जुड़ते हैं। आपदा को आमंत्रित करता पर्यटन अगर दिल्ली को बदनाम कर रहा है, तो ऐसी छूट हिमाचल में भी मिल रही है। पर्यटन की खिड़कियां अब ऐसे स्थानों पर खुल रही हैं, जहां सरकार की कोई एजेंसी दखल नहीं रखती। पहाड़ की कंदराओं में खुल रही पर्यटन इकाइयों में अनुभव के नाम पर खतरा परोसा जा रहा है। आमतौर पर अपंजीकृत इकाइयों के कारण असुरक्षा की फेहरिस्त बढ़ रही है। हिमाचल में हर तरह का निर्माण पहाड़ की चोटी, पहाड़ की ढलान और प्राकृतिक जल रिसाव को रोक कर शेखी बघार रहा है, लेकिन इनका उपयोग जब व्यावसायिक बना दिया जाता है, तो खतरे बढ़ जाते हैं। खड्डों और नदियों के किनारे कई भवन टूट कर बिखर चुके हैं, लेकिन निर्माण जारी है। ऐसे में समूचे प्रदेश को टीसीपी कानून के अधीन लाने की अति आवश्यकता महसूस होती है। सामग्री, शैली और वास्तुकला के प्रति अनदेखी के कारण इमारतें प्रकृति के विरुद्ध खड़ी हो रही हैं। इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि जंगलों के करीब निजी भूमि के उपयोग की भी आचार संहिता नहीं है। सरकार शहरी विकास में लैंड पूलिंग के अध्याय खोल रही है। ऐसे में सर्वप्रथम जंगल और सार्वजनिक व निजी भूमि की पूलिंग भी जरूरी है। पर्यटन की अति ने निर्माण का चरित्र बदल दिया है और इसका सामाजिक पहलू गाहे बगाहे नकारात्मक साबित हो रहा है। सडक़ों पर बढ़ती वाहनों की तादाद ने आपसी झगड़ों की रंगत को नकारात्मक ढंग से पेश करना शुरू किया है। यह इसलिए भी क्योंकि हमने हर आगुंतक को पर्यटक मान लिया, जबकि सही मायने में पचास फीसदी से भी कम किसी न किसी तरह आए लोग, पर्यटक माने जा सकते हैं। बरसात के दिनों में पुराने वाहनों पर सवार होकर आने वाले केवल 'गेड़ीमार' लोग हैं। पर्यटन की अति ने हिमाचल के नागरिक समाज को भी परेशान करना शुरू किया है। गर्मियों में पर्यटक स्थलों की जलापूर्ति, परिवहन, नागरिक सुविधाओं तथा सफाई व्यवस्था पर पड़ता दबाव स्थानीय नागरिकों के लिए प्रताडऩा सरीखा है। अब वक्त आ गया है कि पर्यटन क्षेत्र के भागीदारों को सुधारें तथा क्षमतानुरूप गतिविधियों का संचालन करें। पिछले कुछ सालों से कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण कई पर्यटक स्थल बदनाम हुए हैं। अनियंत्रित भीड़ के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम भी उछलते हैं। मामला जब टूरिस्ट बनाम स्थानीय बनता है, तो कुछ पड़ोसी राज्यों से सोशल मीडिया आक्रमण भी शुरू होता है। ऐसे में सबसे पहले माहौल की दुरुस्ती के लिए सरकारी तौर पर चौकसी चाहिए। खास तौर पर टैक्सी आपरेशन की शिकायतें आ रही हैं। साइट सीईंग टूअर महंगे, अधूरे और लूट के आरोपों से ग्रस्त हैं। टूरिस्ट के साथ बुरे व्यवहार के लिए सर्वप्रथम टैक्सी ड्राइवर, फिर ढाबा मालिक और परिवहन व्यवस्था दोषी साबित हो रही है। बेशक कुछ सैलानी माहौल खराब करते हैं, लेकिन इससे बचने के लिए हमने क्या किया। बहरहाल टूरिस्ट इंडस्ट्री की खाल में घुस कर कई तरह के अवैध काम हो रहे हैं, जिनमें मादक वस्तुओं का सेवन और ऐशोआराम के गलत तरीके सामने आ रहे हैं। प्रदेश भर में कई अवैध बीएंडबी होम स्टे, टैंट कालोनियां व टूअर आपरेटर चल रहे हैं। ऐसे में अगर किसी तरह की दुर्घटना, अग्निकांड या प्राकृतिक आपदा होती है, तो कौन जिम्मेदार होगा।

पर्यटन की अति ने निर्माण का चरित्र बदल दिया है और इसका सामाजिक पहलू गाहे बगाहे नकारात्मक साबित हो रहा है। सडक़ों पर बढ़ती वाहनों की तादाद ने आपसी झगड़ों की रंगत को नकारात्मक ढंग से पेश करना शुरू किया है। यह इसलिए भी क्योंकि हमने हर आगुंतक को पर्यटक मान लिया, जबकि सही मायने में पचास फीसदी से भी कम किसी न किसी तरह आए लोग, पर्यटक माने जा सकते हैं। बरसात के दिनों में पुराने वाहनों पर सवार होकर आने वाले केवल 'गेड़ीमार' लोग हैं। पर्यटन की अति ने हिमाचल के नागरिक समाज को भी परेशान करना शुरू किया है। गर्मियों में पर्यटक स्थलों की जलापूर्ति, परिवहन, नागरिक सुविधाओं तथा सफाई व्यवस्था पर पड़ता दबाव स्थानीय नागरिकों के लिए प्रताडऩा सरीखा है। अब वक्त आ गया है कि पर्यटन क्षेत्र के भागीदारों को सुधारें तथा क्षमतानुरूप गतिविधियों का संचालन करें। पिछले कुछ सालों से कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण कई पर्यटक स्थल बदनाम हुए हैं। अनियंत्रित भीड़ के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम भी उछलते हैं। मामला जब टूरिस्ट बनाम स्थानीय बनता है, तो कुछ पड़ोसी राज्यों से सोशल मीडिया आक्रमण भी शुरू होता है। ऐसे में सबसे पहले माहौल की दुरुस्ती के लिए सरकारी तौर पर चौकसी चाहिए। खास तौर पर टैक्सी आपरेशन की शिकायतें आ रही हैं। साइट सीईंग टूअर महंगे, अधूरे और लूट के आरोपों से ग्रस्त हैं। टूरिस्ट के साथ बुरे व्यवहार के लिए सर्वप्रथम टैक्सी ड्राइवर, फिर ढाबा मालिक और परिवहन व्यवस्था दोषी साबित हो रही है। बेशक कुछ सैलानी माहौल खराब करते हैं, लेकिन इससे बचने के लिए हमने क्या किया।

दृष्टि कोण

अग्निकांड हादसों की राजधानी बनी दिल्ली

दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड में 21 लोगों की मौत से यह एक बार फिर साबित हो गया है कि देश में आम आदमी की जिंदगी सुरक्षित नहीं है। सरकार की सुरक्षा जिम्मेदारी सिर्फ दिखावटी है। नागरिकों की सुरक्षा भ्रष्टाचार और मिलीभगत की भेंट चढ़ रही है। सरकारें ऐसे हादसों से कभी सबक नहीं लेती। यही वजह है कि हादसे दर हादसे होते चले जाते हैं और सरकारें सिर्फ लीपापोती करने में जुटी रहती हैं। दरअसल ऐसे हादसों में लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार अफसरों को जब तक जेल भेजे जाने का कानून नहीं बनेगा, हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेगी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टेज में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले 21 लोगों में बांग्लादेश-अफ्रीकी देशों के नागरिक भी शामिल हैं। मतलब यहां देश के लोग तो सुरक्षित हैं ही नहीं, विदेशी भी सुरक्षित नहीं हैं। होटल से दमकलकर्मियों ने कुल 37 लोगों को बाहर निकाला। वहीं 12 लोगों ने खिडक़ी से नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। आश्चर्य यह है कि दिल्ली में केंद्र सरकार और राज्य की सरकार भाजपा की है। चुनाव जीतने के लिए भाजपा भ्रष्टाचार और डबल इंजिन से तेजी से विकास का दावा करती रही। ऐसे हादसे बताते हैं कि सरकार का एक भी इंजिन सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शराब घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया था। केजरीवाल को न सिर्फ जेल जाना पड़ा बल्कि उनकी पार्टी आप दिल्ली विधानसभा का चुनाव भाजपा के हाथों हार गई। अदालत ने केजरीवाल को बरी कर दिया। तत्कालीन केजरीवाल सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप दिल्ली में सत्ता हासिल करने में भाजपा के लिए बड़ा कारण साबित हुआ। अदालत के इस फैसले से पहले हुए दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत में आ गई। दिल्ली के जिस होटल में यह भयानक हादसा हुआ, उसके पास बिल्डिंग की फायर सुरक्षा का अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं था। होटल में 25 कमरे हैं। दिल्ली के दमकल विभाग के मुताबिक बिल्डिंग में

बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिलें हैं। इस पूरी बिल्डिंग में सिर्फ एक सीढ़ी और एक एलिवेटर मौजूद है। बिल्डिंग पूरी तरह से सील थी और इसमें वेंटिलेशन का कोई इंतजाम नहीं था। बाथरूम की खिड़कियों सहित सभी खिड़कियां पूरी तरह से बंद थीं। आग लगने पर ऐसी बिल्डिंग एक चिमनी की तरह काम करती है। यह हालत दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के सैकड़ों होटलों और व्यावसायिक संस्थानों की है। इन संस्थानों के पास अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इस खामी की जांच होती भी है तो मिलीभगत के कारण अफसर आंखें बंद कर लेते हैं। यही वजह है कि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में लगातार ऐसे अग्निकांडों की पुनरावृत्ति हो रही है। ऐसे हादसों में लोग जल कर या दम घुटने से मर रहे हैं, किन्तु सरकारों ने बचाव के ठोस इंतजाम आज तक नहीं किए हैं। यह होटल दिल्ली सरकार की बेड एंड ब्रेक फास्ट (बीएनबी) स्कीम के तहत चल रहा था। यह योजना केंद्र सरकार की है, जिसे राष्ट्रमंडल खेल के दौरान वर्ष 2010 में लागू किया गया था। उसके तहत छह कमरों को बीएनबी में स्वीकृति थी। उसे अग्निशमन, एमसीडी या पुलिस से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। दिल्ली में ऐसे 1000 से अधिक प्रतिष्ठानों में बीएनबी हैं। सवाल यही है कि क्या सरकारी योजना से चलने वाले ये होटल, गेस्टहाउस अग्नि दुर्घटनाओं के लिहाज से सुरक्षित हैं। इसका पुख्ता जवाब दिल्ली की भाजपा सरकार और प्रशासन के पास नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली आग के गोले पर बैठी है।

बीएलओ का साया बन कर सर्वे पर नजर रखें कार्यकर्ता : जितेंद्र बघेल

जींद (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि यह बात जग जाहिर हो चुकी है कि भाजपा सरकार किस तरीके से वोट चुराने का कार्य करती है। भाजपा के लोकतंत्र को रौंदने के इस अभियान को लेकर देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आह्वान किया है कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव और शहरों में हर गलीए हर घर पहुंच कर कर प्रबुद्ध जनता में एसआईआर को लेकर जागरूकता की अलख जगाए। हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी जितेंद्र बघेल एसआईआर को लेकर शनिवार को कांग्रेस जिला मुख्यालय पर जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि भाजपा की ओच्छी सोच से निपटने के लिए लोगों को अपने हितों के प्रति जागरूक होना होगा। हर बूथ पर पार्टी के एजेंट बीएलओं की कार्रवाई पर विशेष नजर रखे और फर्जी वोट जुड़ने ना दें तथा सही वोट कटने ना दें। इस अवसर पर सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के लिए लोकतंत्र का गला घोट रही है।

2014 से पहले लोगों के मन में था अविश्वास का माहौल : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर साधा निशाना

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत उसी मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, जिसकी आवश्यकता आजादी के बाद थी। उन्होंने कहा कि 12 साल के कालखंड में देश अविश्वास के माहौल से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में आगे लगा है। शनिवार को एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में लोकतंत्र और व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में अविश्वास का माहौल पैदा हो गया था, क्योंकि निरंतर भ्रष्टाचार और बड़े-बड़े घोटाले हो रहे थे। कूटनीतिक विफलताओं ने हालात और खराब कर दिए थे, जिससे देश लगातार आर्थिक मोर्चे पर विफल हो रहा था। आलम यह था कि देश गिरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की श्रेणी में शुमार हो गया था। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद वहां से निकलकर हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प

के साथ आगे बढ़ रहे हैं। करीब 140 करोड़ लोगों ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि मोदीजी के नेतृत्व में समग्र विकास को लेकर प्रयास किए गए हैं, जिसके अंतर्गत कई क्रांतिकारी योजनाओं को धरातल पर उतरा गया, जिससे सामान्य मानवीय के जीवन में परिवर्तन आया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को फ्यूचर रेडी बनाया गया। राष्ट्रहित के साथ कोई समझौता ना हो, इस दृष्टिकोण से काम किया गया। देश को आर्थिक मजबूती के लिए कड़े और बड़े फैसले लिए गए। शेखावत ने कहा कि जब पूरी दुनिया भू-राजनीतिक उथल-पुथल के ताप से ग्रसित है, हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार ऐसे समय में भी भारत की तीसरी तिमाही की आर्थिक विकास की दर 7.8 प्रतिशत आंकी गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की डबल इंजन सरकार ने प्रभावी और राजस्थान की तस्वीर को बदलने वाला काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में परिस्थितियां अच्छी नहीं थीं। कुर्सी की रस्साकसी का खेल चल रहा था। सरकार कभी होटलों में दिखाई देती थी। कभी जैसलमेर के गढ़ किलों में दिखाई देती थी। वहां से निकलकर एक स्थाई और सशक्त शासन की छवि भजनलाल शर्मा ने स्थापित की है।

सजा पूरी कर चुके सिखों की रिहाई के लिए एकजुटता से करें प्रयास : कुलदीप सिंह गडराज

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडराज ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 42वीं बरसी के अवसर पर सिख कौम के नाम जारी संदेश में कहा है कि पंथ हमेशा से चढ़दीकला में था और चढ़दीकला में रहेगा। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के अवसर पर दरबार साहिब स्थित अकाल तख्त साहिब में तीन दिन से चल रहे अखंड पाठ के भोग शनिवार की सुबह डाले गए। ऑपरेशन ब्लू स्टार से संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भारी संख्या में सिख श्रद्धालु, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि आज सुबह से ही यहां पहुंचे हुए थे। अरदास के बाद अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडराज ने कहा कि सिख अच्छा खाएं, अच्छा पहने लेकिन अगर उनका सम्मान नहीं तो वह हराम के बराबर है। उन्होंने कहा कि 6 जून 1984 को हुए घल्लूघारा के दौरान हमलावर हमारे देश के ही थे। सिख योद्धाओं ने उनका डटकर मुकाबला किया और शहादत दी। अकाल तख्त जत्थेदार ने हिमाचल में हो रही घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में समूचे देश के विभिन्न राज्यों के लिए स्थाई रूप से रह रहे हैं लेकिन सिख श्रद्धालु अगर दो दिन के लिए हिमाचल में जाते हैं तो उन पर हमले होते हैं। उनकी पहचान को चुनौती दी जाती है। उन्होंने बंदी सिंघों की रिहाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बलवंत सिंह राजोआणा के संबंध में वर्ष 2019 में फैसला आने के बाद सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। जगतार सिंह हवारा को उसकी मां से नहीं मिलने दिया जा रहा है। जत्थेदार ने बंदी सिंघों की रिहाई का समर्थन करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर समूची सिख कौम को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि जो चुनौतियां वर्ष 1984 में सिखों के सामने थी वही चुनौतियां आज भी सिखों के सामने हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सभी को एकजुट होना पड़ेगा। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडराज ने समूचे विश्व में बसे सिखों से अपील की कि पंजाब सिखों का होमलैंड है। वह विश्व के किसी भी कोने में क्यों न रहें लेकिन साल में एक बार अपने बच्चों को दरबार साहिब जरूर लेकर आएं, ताकि विदेशों में जन्म के बावजूद उन्हें अपनी जड़ों का पता लगे। जत्थेदार ने विदेशों में बसे सिखों से अपील की कि वह पंजाब में अपनी जमीनों को न बेचें। पंजाब के साथ जुड़े रहें। गडराज ने पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए बेअदबी कानून को खारिज करते हुए कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब के सत्कार के नाम पर गुरु ग्रंथ व गुरु पंथ को कानून के दायरे में लाने की साजिश रची जा रही है। गुरु धामों को सरकारी कब्जे में लेने का प्रयास किया जा रहा है। मांग बेअदबी के दोषियों के विरूद्ध कानून बनाने की थी लेकिन सरकार ने सिखों के विरूद्ध ही कानून बना दिया है। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडराज ने कहा कि देश के कई शहरों में प्लास्टिक बैन है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 42वीं बरसी : दरबार साहिब परिसर में लहराए भिंडरावाला के पोस्टर, नारेबाजी

चंडीगढ़ (हिंस)। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 42वीं बरसी पर शनिवार को दरबार साहिब परिसर में जरनैल सिंह भिंडरांवाले के पोस्टर बांटे गए और खालिस्तान समर्थन में नारे लगाए गए। सुरक्षा के मद्देनजर अमृतसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। दरबार साहिब में सुबह के समय अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद जत्थेदार अकाल तख्त साहिब ने कौम के नाम संदेश जारी किया। इसके बाद सरबत खालसा के जत्थेदार ध्यान सिंह मंड अपने समर्थकों के साथ श्री अकाल तख्त पहुंचे। अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान अपने साथियों के साथ श्री अकाल तख्त पर पहुंचे। कट्टरपंथी समर्थकों ने भिंडरावाला के पोस्टर लहराकर मान का स्वागत किया। गर्मपंथियों ने किरपाने लहराकर खालिस्तान का समर्थन किया। आज दरबार साहिब परिसर में जगह-जगह स्टाल लगाकर संगत को ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद की तस्वीरों तथा भिंडरावाला के पोस्टर बांटे गए। यहां तक की दर्शनी ड्योढ़ी में भी कुछ लोग भिंडरावाला के पोस्टर लेकर संगत को दिखा रहे थे। इस बीच ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान जख्मी हुए गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शनों के भारी संख्या में संगत उमड़ गई। जिसे नियंत्रित करने के लिए टास्क फोर्स को कड़ी मशक्कम करनी पड़ी। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह भी आज समर्थकों

समेत दरबार साहिब पहुंचे और माथा टेका। गर्मपंथी दल खालसा व कुछ अन्य संगठनों की तरफ से शनिवार को अमृतसर बंद का भी आहवान किया गया है। जिसके चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एसजीपीसी ने भी श्री अकाल तख्त साहिब के आसपास एक हजार से अधिक टास्क फोर्स कर्मी तैनात किए हैं। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुरु नगरी में 65 से ज्यादा जगहों पर नाकाबंदी है। संदिग्ध वाहनों और लोगों की तलाशी ली जा रही है। होटल मालिकों को संदिग्धों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख प्रवेश मार्गों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और एयरपोर्ट पर भी चेकिंग अभियान चल रहे हैं।

गांव की चौपाल से गरमाई राजनीति : मुख्यमंत्री बोले गहलोत बार-बार सचिन पायलट को ही टारगेट करते हैं

भीलवाड़ा (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दूसरे दिन शनिवार सुबह खारी का लाम्बा गांव का भ्रमण कर ग्रामीण विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं का संदेश दिया। गांव के तालाब, मंदिर, पंचायत भवन और विद्यालय का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को ग्रामीण आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। दौरे के बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए रवाना हो गए। यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की राजनीति पर भी तीखा बयान देकर सियासी माहौल गरमा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर लगाए गए आरोपों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत की मित्रता सचिन पायलट से ज्यादा है। वे जो भी बात कहते हैं, वह सचिन पायलट के लिए कहते हैं। यह उनका आपसी मामला है, लेकिन उनका दर्द ऐसा है कि वे

बार-बार सचिन पायलट को ही टारगेट करते हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों पर टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदेश और देश का विकास गांवों की पगडंडियों से होकर गुजरता है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक गांव को सशक्त, आत्मनिर्भर और सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त बनाना है। यदि गांव मजबूत होंगे तो प्रदेश और देश भी मजबूत बनेगा। उन्होंने बताया कि एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि चौपाल में महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद किया गया, जिसमें रोजगार, कृषि, पशुपालन तथा सरकारी योजनाओं के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रभावी ढंग से धरातल तक पहुंच रही हैं और ग्रामीण भारत को नई ताकत दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान और विकसित गांव के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री ने शहरों की ओर बढ़ते पलायन पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार के अवसर और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसी सोच के साथ ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि सरकार सीधे ग्रामीणों की समस्याएं सुन सके और योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और कार्यशैली की भी सराहना की।

सत्ता से बेरोजगार हुए लोग सरकार पर उठा रहे सवाल : केशव मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज प्रवास के दौरान शनिवार को समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर तीखा हमला बोला।। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता से बाहर हो चुके हैं, वही आज सरकार और कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। जनपद प्रवास के दूसरे दिन सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर अभी से सक्रिय हो जाएं और संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। गाजीपुर मुठभेड़ को लेकर सपा सांसद डिम्पल यादव द्वारा उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव का कानून व्यवस्था पर बोलना ऐसा है जैसे शीशे के घर में रहने वाले दूसरों के घरों पर पत्थर फेंक रहे हों। उन्होंने कहा कि यदि किसी घटना को लेकर शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाती है और यदि कहीं कोई लापरवाही सामने आती है तो उस पर कार्रवाई भी की जाती है। डिप्टी सीएम

ने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त है। उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती है और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस जवाबी कार्रवाई भी करती है। आर्थिक मुद्दों पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जो वस्तुएं पहले विदेशों से आयात होती थीं, आज उनका निर्माण देश में हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए लगातार कदम उठा रही है और युवा सरकार की नीतियों से संतुष्ट हैं। शंकराचार्य से मुलाकात और गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने के मुद्दे पर विपक्ष के रुख को लेकर उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनकी सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलीं और गौहत्या व तस्करी को बढ़ावा मिला, वे आज संतों और गौ रक्षा की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ही संतों के सम्मान और गौ संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। डिप्टी सीएम ने दावा किया कि वर्ष 2047 तक प्रदेश की सत्ता में सपा और देश की सत्ता में कांग्रेस की वापसी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वर्तमान है और भाजपा ही भविष्य है। भाजपा ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगी। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर डिंपल यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण और स्तरहीन हैं तथा भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें। इस अवसर पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, सांसद प्रवीण पटेल सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर सांसद खेल महोत्सव समर कैंप का शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बालिकाओं के खेल और स्किल डेवलपमेंट पर दिया जोर

जयपुर/बहरोड़(हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शनिवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ अलवर सांसद खेल महोत्सव समर कैंप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के ऊर्जावान, प्रतिभावान एवं उत्साही युवाओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास के विकास का सशक्त आधार भी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने, सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। दीया कुमारी ने विशेष रूप से बालिकाओं को खेलों में आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थान स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़कियों में अपार प्रतिभा होती है, उन्हें केवल उचित अवसर और मंच प्रदान करने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने की भी बात कही। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अलवर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार इसे और विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने अलवर टाइगर मैराथन को टाइगर संरक्षण और पर्यटन से जोड़ने की पहल को भी

सराहनीय बताया। अपने पसंदीदा खेलों के बारे में पूछे गए सवाल पर दीया कुमारी ने कहा कि बचपन से उन्हें बैडमिंटन, बास्केटबॉल और कबड्डी खेलना पसंद रहा है। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे खेल भावना विकसित होगी और स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। कार्यक्रम में आरपीएस ग्रुप के सीईओ मनीष राव, विराट नगर विधायक कुलदीप धनखड़, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, जिला प्रमुख बलबीर सिंह, पूर्व विधायक जय राम जाटव, अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, वी-शक्ति ट्रस्ट की अध्यक्ष प्रज्ञा यादव, बालक-बालिकाएं, कोच तथा स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे।

इंडिया ग्लैम समर पूल पार्टी में दिखा फैशन और ग्लैमर का रंग

जयपुर (हिंस)। शहर के गोकुलपुरा स्थित द गुलबाग हेरिटेज रिसोर्ट में इंडिया ग्लैम ऑर्गेनाइजेशन की ओर से आयोजित *इंडिया ग्लैम समर पूल पार्टी 2026* में फैशन, ग्लैमर और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम, मिस ग्लैम राजस्थान तथा ग्लैम फैशन वीक से जुड़ी मॉडल्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समर फैशन को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पूल साइड फोटोग्राफी, स्टाइलिश समर लुक्स, ब्रिजी वाइब्स और मॉडल्स के ग्लैमरस पोज आकर्षण का केंद्र रहे। मॉडल्स ने समर थीम के अनुरूप स्टाइलिश आउटफिट्स और स्विमवियर में अपनी फैशन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक पवन टांक और कीर्ति टांक ने बताया कि इस विशेष आयोजन का उद्देश्य फैशन, मनोरंजन और नेटवर्किंग को एक मंच पर लाकर प्रतिभागियों को यादगार अनुभव प्रदान करना है। कार्यक्रम में स्विमिंग पूल गतिविधियां, रेन डांस, फैशन वॉक, लाइव म्यूजिक और विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

30 घंटे बाद मिले संत प्रेमानंद को हंसाने वाले जोजो-जानी, कलाकार ने दोनों मुखौटों को किया बरामद

मथुरा, (हिंस)। वृंदावन में जयपुर के एक कलाकार के अनूठे मुखौटे (पपेट) चोरी होने और फिर फिल्मी अंदाज में उनकी बरामदगी का एक दिलचस्प मामला सामने आया है। सुप्रसिद्ध संत श्रीप्रेमानंद जी महाराज के सामने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन कर उन्हें मुग्ध करने वाले प्रसिद्ध मुखौटे *जोजो* और *जानी* को लेकर एक ई-रिक्शा चालक फरार हो गया था। हालांकि, कलाकार की सूझबूझ और रातभर की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों मुखौटों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। गौरतलब हो कि जयपुर के प्रसिद्ध कलाकार राहुल मिश्रा अपने साथियों के साथ वृंदावन परिक्रमा के लिए आए थे। गुरुवार की रात करीब 10 बजे वे प्रेम मंदिर के सामने एक गेस्ट हाउस में कमरा बुक करने के लिए अंदर गए। इस दौरान वे अपना वह बैग ई-रिक्शा में ही भूल गए, जिसमें उनके जान से प्यारे मुखौटे जोजो और जानी रखे हुए थे। राहुल जब कमरा बुक कर बाहर लौटे, तो ई-रिक्शा चालक बैग समेटकर रफूचक्कर हो चुका था। मुखौटे गायब होने से बेचैन राहुल मिश्रा ने तुरंत कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई। लेकिन वे सिर्फ पुलिस के भरोसे नहीं बैठे। शुक्रवार की रात गेस्टहाउस प्रबंधक पिंटू की सलाह पर उन्होंने दो बाइक लीं और अपने चार साथियों के साथ अलग-अलग रूटों पर ई-

रिक्शा चालक की तलाश में निकल पड़े। रात करीब 12 बजे साथियों को वह ई-रिक्शा प्रेम मंदिर के पास दिखाई दिया। राहुल और उनके साथियों ने चुपके से उसका पीछा करना शुरू किया। रात 1 बजे बांकेबिहारी मंदिर के समीप रिक्शा रुकते ही राहुल ने चालक को दबोच लिया। सख्ती से पूछने पर चालक ने बताया कि उसने बैग अपने घर पर छिपा दिया है। इसके बाद वह रात के 3 बजे उन्हें एक बेहद सुनसान इलाके में स्थित अपने कमरे पर ले गया, जहां उसने तिरपाल के नीचे बैग को छिपाकर रखा था। बैग खोलकर जब राहुल ने जोजो और जानी को सुरक्षित देखा, तब जाकर उनकी जान में जान आई। बैग बरामद होने के बाद ई-रिक्शा चालक ने अपनी गलती के लिए हाथ जोड़कर माफी मांगी। कलाकार राहुल मिश्रा ने दरियादिली दिखाते हुए उसके खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस को मुखौटे मिलने की सूचना देकर राहुल अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

नशे के खिलाफ एससी एसटी थाना की जागरूकता रैली, लोगों से की नशामुक्त समाज बनाने की अपील

किशनगंज (हिंस)। जिले में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एससी एसटी थाना पुलिस द्वारा शनिवार को व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर आयोजित इस अभियान के तहत एससीएसटी थाना की टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशे की लत से दूर रहने का संदेश दिया। रैली का नेतृत्व एससीएसटी थानाध्यक्ष मनोज कुमार भारती ने किया। रैली थाना परिसर से शुरू होकर डुमरिया, बस स्टैंड, डे मार्केट, अस्पताल रोड, गांधी चौक सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से होकर गुजरी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने आम लोगों, दुकानदारों, युवाओं और राहगीरों से सीधे संवाद स्थापित कर नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। थानाध्यक्ष मनोज कुमार भारती ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी गंभीर समस्या बन जाता है। उन्होंने लोगों से शराब, मादक पदार्थों और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए नशामुक्ति बेहद जरूरी है। जागरूकता रैली के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को यह भी बताया कि नशे की वजह से अपराध, सड़क दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा

और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। एक ओर जहां अवैध शराब और मादक पदार्थों के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर लोगों को जागरूक कर नशे की प्रवृत्ति को समाप्त करने का प्रयास भी किया जा रहा है। रैली के समापन पर पुलिस टीम ने लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अवैध नशीली गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। अभियान को स्थानीय लोगों का भी सकारात्मक समर्थन मिला।

क्रूड 2 डालर फिसला तो बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से गिरावट आनी शुरू हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92 डालर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। इसका असर शनिवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है।

कई शहरों में भाव बढ़े तो कहीं हुआ सस्ता

कई शहरों में शनिवार को तेल के खुदरा दाम नीचे आए हैं, जबकि कुछ जगहों पर इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले हैं।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 101.88 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल 14 पैसे बढ़त के साथ 95.362 रुपये लीटर पहुंच गया है।

नोएडा में पेट्रोल 46 पैसे सस्ता होकर 101.96 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 42 पैसे गिरावट के साथ 95.44 रुपये लीटर के भाव पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे महंगा होकर 113.54 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे महंगा होकर 99.54 रुपये लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डालर टूटकर 93.09 डालर प्रति बैरल पहुंच गया है।

डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरा है और वैश्विक बाजार में अब 90.54 डालर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल के भाव 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 108.01 रुपये और डीजल 99.78 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हैं।

न्यूज ब्रीफ

रियल एस्टेट सेक्टर ने रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपरों और कंसल्टेंट फर्मों ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बनाए रखने के फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि मौद्रिक नीति में स्थिरता से आवासीय मांग बरकरार रहेगी और परियोजनाएं पूरी करने में मदद मिलेगी। हालांकि बढ़ती लागत, भूराजनीतिक तनाव और महंगाई की चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला घर खरीदारों और डेवलपरों को ऐसे समय में भरोसा देता है जब वैश्विक अनिश्चितताओं का असर कच्चे माल की लागत और निवेशक धारणा पर पड़ रहा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि उधार लेने की स्थिर लागत से आवासीय मांग को समर्थन मिलता रहेगा, खासकर उन प्रमुख शहरी इलाकों में, जहां घर खरीदने की चाहत अभी भी मजबूत है। दरों में कोई बदलाव न करने का आरबीआई का फैसला आवासीय रियल एस्टेट बाजार के लिए अहम आधार है। ऋण लेने की लागत स्थिर रहने से यह सुनिश्चित होता है कि बाजार पर एक ही समय में सामग्री की ज्यादा लागत और ऋण की बढ़ती दरों का बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संघर्ष की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें और निर्माण की लागत बढ़ गई है। साथ ही कुछ विदेशी निवेशकों ने भारत में आवासीय निवेश को फिलहाल टालने का फैसला किया है। भारत के बड़े डेवलपरों ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही की अपनी आय संबंधित टिपण्णियों में पहले ही संकेत दे दिया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण निर्माण की लागत में 2-5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, जिसका मार्जिन पर सीमित असर होगा जिसका प्रबंध हो सकता है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब घरों की आपूर्ति बिक्री से ज्यादा है ।

फ्लैक्स फ्यूल तकनीक से लैस कार लान्च करेगी मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी एक नई तकनीक के साथ प्रवेश करने जा रही है। मारुति सुजुकी इस सप्ताह अपनी पहली फ्लैक्स फ्यूल तकनीक से लैस कार लान्च करने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि यह कदम वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मारुति सुजुकी लंबे समय से नई और उन्नत तकनीकों पर काम करती रही है और अब कंपनी फ्लैक्स फ्यूल तकनीक को भारतीय ग्राहकों तक पहुंचाने जा रही है। फ्लैक्स फ्यूल वाहन पेट्रोल के साथ एथेनाल मिश्रित ईंधन पर भी चल सकते हैं, जिससे पारंपरिक पेट्रोल पर निर्भरता कम होती है। इससे ईंधन लागत में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। कुछ समय पहले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी मारुति की फ्लैक्स फ्यूल कार के जल्द लान्च होने की जानकारी दी थी। इसके बाद से आटोमोबाइल बाजार में इस नई तकनीक को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी। हालांकि कंपनी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि कौन सा माडल सबसे पहले फ्लैक्स फ्यूल तकनीक के साथ पेश किया जाएगा।

नई कार खरीदते ही 20 प्रतिशत तक घट जाती है उसकी कीमत

नई दिल्ली। बहुत कम लोग जानते हैं कि शोरूम से बाहर निकलते ही कार की बाजार कीमत कम क्यों हो जाती है। जानकारों के अनुसार यह एक सामान्य प्रक्रिया है और इसके पीछे कई व्यावहारिक कारण होते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब तक कार शोरूम में खड़ी रहती है, तब तक उसे पूरी तरह नई माना जाता है। लेकिन जैसे ही वाहन ग्राहक के नाम पर पंजीकृत होता है और सड़क पर उतरता है, वह तकनीकी रूप से इस्तेमाल किए गए वाहन की श्रेणी में आ जाता है। यही कारण है कि उसकी पुनर्विक्रय कीमत तत्काल प्रभावित होती है। वाहन बाजार के जानकारों के अनुसार नई कार खरीदने के बाद उसकी कीमत में लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी कार की आन-रोड कीमत 10 लाख रुपये है तो खरीद के तुरंत बाद उसकी संभावित बाजार कीमत 8 से 9 लाख रुपये के बीच रह सकती है। इस गिरावट का एक बड़ा कारण पंजीकरण शुल्क, सड़क कर, बीमा और अन्य प्रशासनिक खर्च हैं, जो खरीद के समय ग्राहक से लिए जाते हैं लेकिन पुनर्विक्रय के दौरान वापस नहीं मिलते।

100 अरब डालर के पार जा सकता है सकल एफडीआई : आरबीआई

जीडीपी के मुकाबले ऊपर की ओर बढ़ रहा है निवेश का अनुपात

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2027 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 100 अरब डालर से ज्यादा आने की उम्मीद है। इसके लिए उन्होंने मजबूत निवेश गतिविधियों को हवाला दिया। मौद्रिक नीति के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल एफडीआई 95 अरब डालर तक पहुंच गया था। इससे पता चलता है कि विदेशी पूंजी का आना मजबूत बना रहेगा और इस साल यह 100 अरब डालर के आंकड़े को पार कर सकती है। निजी पूंजी के आंकड़े असल में बहुत अच्छे रहे हैं। जीडीपी के मुकाबले निवेश का अनुपात ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इसलिए ये आंकड़े अच्छे बने हुए हैं। अगर हम भुगतान संतुलन की बात करें, तो 2025-26 में सकल एफडीआई निवेश 95 अरब डालर था और इस साल यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। निश्चित रूप से यह 100 अरब डालर के पार और यहां तक कि 110 अरब डालर, 120 अरब डालर भी हो सकता है। यह एक निरंतर बढ़ोतरी है, जिसका मतलब है कि यह सिर्फ एक साल का मामला नहीं है। आने वाले वर्षों में एफडीआई के जरिये और ज्यादा निवेश देखने को मिलेगा। वित्त वर्ष 2026 में सकल एफडीआई आवक 17 फीसदी बढ़कर 95 अरब डालर रही। मार्च में एफडीआई प्रवाह 1.57 अरब डालर रहा, जो एक साल पहले दर्ज की गई 50.2 करोड़ डालर की निकासी के उलट था। लेकिन यह फरवरी के स्तर से कम था। सकल प्रवाह में मजबूती के बावजूद विदेशी निवेशकों के पैसा वापस ले जाने और भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश बढ़ने के कारण शुद्ध एफडीआई कमजोर बना हुआ है। बैंक आफ बड़ौदा के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि सकल एफडीआई का आंकड़ा बहुत शानदार रहा है और हो सकता है कि इस साल यह 100 अरब डालर तक पहुंच जाए। अहम बात यह है कि वापस आने वाली रकम कितनी रहती है। एक तीसरा पहलू यह भी है कि भारतीय कंपनियों ने विदेश में अपना निवेश बढ़ाया है, चाहे अपनी सहायक कंपनियों में हो या फिर वहां दूसरी कंपनियों को खरीदने के लिए।

विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत, सरकारी बान्ड पर टैक्स छूट; विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने पर सरकार का फोकस

नई दिल्ली। विदेशी निवेश को आकर्षित करने और देश में डालर का प्रवाह बढ़ाने के मकसद से मोदी सरकार ने सरकारी बान्ड में निवेश करने वाले विदेशी निवेशकों को बड़ी कर राहत देने का ऐलान किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद बताया कि सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश से होने वाली आय पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को अब कोई कर नहीं देना होगा। इसके लिए आयकर कानून में आवश्यक संशोधन किए गए हैं और संबंधित अधिसूचना भी जारी की गई है। आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश को आसान बनाने के लिए नियमों में भी बदलाव किया है। अब 15, 30 और 40 वर्ष की अवधि वाले नए सरकारी बान्ड पूरी तरह फुली एक्सेसिबल रूट के तहत उपलब्ध है। इससे विदेशी निवेशक इन बान्ड में सीधे निवेश कर सकते है। ये प्रतिभूतियां प्रमुख वैश्विक बान्ड सूचकांकों का हिस्सा भी होंगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। फिलहाल विदेशी निवेशकों को सरकारी बान्ड से होने वाले लाभ पर कर देना होता था। यदि निवेश 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता था, तब 12.5 प्रतिशत लान्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लागू होता था, जबकि 12 महीने से कम अवधि के निवेश पर 20 प्रतिशत शार्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ता था। इसके अलावा विदहोल्डिंग टैक्स की व्यवस्था भी लागू थी। अब इन करों से राहत देकर निवेश को अधिक आकर्षक बनाया गया है। केंद्र सरकार और आरबीआई का मानना है कि इस कदम से विदेशी निवेश में वृद्धि होगी और देश में विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण डालर मजबूत हो रहा है, जिससे रुपये पर दबाव बना हुआ है। इसके साथ ही आयात लागत बढ़ने और चालू खाते के घाटे पर असर पड़ने की आशंका भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ती है, तब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलेगी। इससे रुपये को स्थिर रखने, आयात जरूरतों को पूरा करने और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

भारत-अमेरिका डील पर जुलाई के मध्य तक लग सकती है मुहर : गोयल

नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच करीब सालभर से चल रही व्यापार वार्ता पर अंतिम मुहर लगने का समय अब आ गया है। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका जुलाई के मध्य तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह दावा उन्होंने ट्रेड डील पर बात करने आई अमेरिकी टीम से मुलाकात के बाद किया है।

इस महीने के अंत तक भारत का दौरा कर सकती है अमेरिका की एक उच्च स्तरीय टीम

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हम सभी खुले मुद्दों को तेजी से सुलझा रहे हैं और मुझे लगता है कि अगले महीने के मध्य तक हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले और बेहद महत्वपूर्ण चरण को लागू करने की स्थिति में होंगे। यह हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते का सिर्फ पहला चरण है, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में विशेष पहुंच मिलेगी। साथ ही इस महीने के अंत तक अमेरिका की एक उच्च स्तरीय टीम भारत का दौरा कर सकती है, जिसका नेतृत्व संभवत: अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर करेंगे। एक तरफ तो भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर आगे बढ़ रहे हैं और दूसरी ओर बुधवार को अमेरिका ने भारत से आयात पर अतिरिक्त 12.5 फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दे दिया। अमेरिका ने आरोप लगाया कि भारत उन 60 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है जो जबरन श्रम से बने आयात को रोकने में असफल रही हैं. गोयल ने बताया कि हमारे पास दिल्ली में अमेरिका के व्यापार के अलग-अलग विभागों के अधिकारियों की पूरी टीम थी। दोनों पक्ष प्रस्तावित समझौते के सभी खुले मुद्दों को तेजी से बंद करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

केंद्र ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन का कार्यकाल दो वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। स्वामीनाथन का सेवा विस्तार 26 जून, 2026 से प्रभावी होगा। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने स्वामीनाथन जानकीरमन को 26 जून, 2026 से प्रभावी रूप से 2 साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, फिर से डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। स्वामीनाथन जानकीरमन को जून 2023 में तीन वर्षो के कार्यकाल के लिए आरबीआई का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था।

मारुति सुजुकी की सुहाना सफर योजना : आरडी आधारित आटो लोन से कार खरीदना हुआ आसान

डाउन पेमेंट की चिंता दूर करने के लिए नई पहल, पहले बचत फिर आसान कार लोन की सुविधा

मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया ने छोटी कार खरीदने वाले ग्राहकों के लिए एक नई और अनोखी वित्तीय योजना शुरू की है, जिसका नाम सुहाना सफर रखा गया है। यह योजना आवर्ती जमा (आरडी) आधारित आटो लोन माडल पर आधारित है और इसका उद्देश्य उन ग्राहकों को राहत देना है, जो डाउन पेमेंट या भविष्य की ईएमआई को लेकर असमंजस में रहते हैं। कंपनी ने यह योजना एयू स्माल फाइनेंस बैंक के सहयोग से शुरू की है। इसके तहत ग्राहक पहले बैंक में एक आरडी खाता खोलते हैं और तीन से छह महीने तक हर महीने नियमित रूप से एक तय राशि जमा करते हैं। यह राशि अनुमानित कार ईएमआई का लगभग 80 प्रतिशत तय की जाती है।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी कार की मासिक ईएमआई 10,000 रुपये है, तो ग्राहक आरडी में लगभग 8,000 रुपये प्रति माह जमा करता है।आरडी में जमा राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज सीधे ईएमआई में उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि इसे कार खरीदते समय डाउन पेमेंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आरडी मैच्योर होने के बाद ग्राहक उसी बैंक से सामान्य कार लोन ले सकता है और नियमित ईएमआई भुगतान शुरू कर देता है। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह योजना ग्राहकों को पहले से बचत करने की आदत डालती है और यह भी समझने में मदद करती है कि भविष्य की ईएमआई उनके घरेलू बजट में कितनी आसानी से फिट हो सकती है।

यह माडल ज्वैलरी इंडस्ट्री की प्री-सेविंग योजनाओं से प्रेरित बताया गया है। कंपनी ने बताया कि इस स्कीम को पिछले महीने लान्च किया गया था और अब तक लगभग 8,000 पूछताछ और 1,700 से अधिक बुकिंग दर्ज की जा चुकी हैं। यह योजना फिलहाल आल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगन आर जैसे छोटे कार माडलों पर लागू है।

एटीएम पर मंडराया कैश संकट, देशभर में नकदी निकासी सेवाएं प्रभावित होने का खतरा

मार्च-अप्रैल में जरूरत से काफी कम नकदी मिली, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बावजूद नकदी की जरूरत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। ऐसे में एटीएम में नकदी की कमी की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। एटीएम उद्योग के संगठन कन्फेडरेशन आफ एटीएम इंडस्ट्री (कैटमी) ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले महीनों में कई क्षेत्रों में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संगठन ने इस संबंध में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कैटमी के अनुसार देश के विभिन्न राज्यों में एटीएम संचालकों को बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट से पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। इसका सीधा असर एटीएम नेटवर्क पर पड़ रहा है। संगठन के आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एटीएम में नकदी भरने के लिए लगभग 94 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता थी, लेकिन केवल 61 हजार करोड़ रुपये की नकदी उपलब्ध हो सकी। अप्रैल में स्थिति और बिगड़ गई, जब समान जरूरत के मुकाबले सिर्फ 54 हजार करोड़ रुपये की नकदी उपलब्ध हुई। इसका मतलब है कि जरूरत का केवल 57 प्रतिशत हिस्सा ही पूरा हो पाया। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि समस्या केवल नकदी उपलब्धता तक सीमित नहीं है। एटीएम संचालन की लागत लगातार बढ़ रही है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण ईंधन महंगा हुआ है, जबकि नई वेतन संहिता के बाद कर्मचारियों की लागत भी बढ़ी है। नकदी ढुलाई, सुरक्षा और रखरखाव पर होने वाला खर्च तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन एटीएम लेनदेन पर मिलने वाला 19 रुपये का इंटरचेंज शुल्क इन बढ़ी हुई लागतों की भरपाई नहीं कर पा रहा। इस बीच डिजिटल भुगतान के विस्तार ने भी एटीएम कारोबार पर दबाव बढ़ाया है। आरबीआई के मई बुलेटिन के अनुसार अप्रैल में एटीएम से हुए लेनदेन घटकर 44.65 करोड़ रह गए, जबकि एक साल पहले यह संख्या 49.84 करोड़ थी। लेनदेन का कुल मूल्य भी घटा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नकदी आपूर्ति और परिचालन लागत से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नकदी उपलब्धता प्रभावित हो सकती है, जहां आज भी बड़ी आबादी रोजमर्रा के लेनदेन के लिए एटीएम और नकदी पर निर्भर है।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 : भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली

भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट का समापन कांस्य पदक के साथ किया।

भारत की ओर से संदीपा कुमारी (2वां मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वां मिनट) और नौशीन नाज़ (33वां मिनट) ने गोल दागे। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी की।

मैच शुरू होने के मात्र दो मिनट के भीतर संदीपा कुमारी ने बेहतरीन गोल कर भारत को बढ़त दिला दी।

पहले गोल के बाद भारतीय टीम लगातार आक्रमण करती रही और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। इसका फायदा 16वें मिनट में मिला जब कप्तान स्वीटी कुजूर ने फील्ड गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष गोल स्कोरर नौशीन नाज़ ने शानदार फील्ड गोल कर बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया।

इस गोल के साथ नौशीन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 12 कर ली और शीर्ष स्कोरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

रक्षापंक्ति में भी भारतीय टीम ने अनुशासित प्रदर्शन किया और कोरिया को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने क्लीन शीट बनाए रखते हुए मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया।

शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने वाली संदीपा कुमारी को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने कुल 36 गोल दागते हुए अपनी आक्रामक क्षमता, मजबूत रक्षा और भविष्य की संभावनाओं की शानदार झलक दिखाई।

वहीं, महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का फाइनल शनिवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे चीन और मेजबान जापान के बीच खेला जाएगा।

दूसरी ओर, भारतीय अंडर-18 पुरुष हाकी टीम भी शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम 3:30 बजे जापान अंडर-18 टीम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

ताजिकिस्तान से पहला मैत्री फुटबाल मैच हारा भारत, ब्लू टाइगर्स को 1-3 से मिली हार

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम को शुक्रवार रात तुर्सुनजोडा के टालको एरिना में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में ताजिकिस्तान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत लगातार तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच गंवा बैठा। मुकाबले की शुरुआत से ही ताजिकिस्तान ने आक्रामक खेल दिखाया और नौवें मिनट में शरीदीन बोबोएव ने पेनाल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम पहले हाफ में ताजिकिस्तान की संगठित रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रही। दूसरे हाफ में भारत ने बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन ताजिकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 61वें मिनट में मेखरुबोन करीमोव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके छह मिनट बाद एहसन पंजशानबे ने तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत की ओर से मुकाबले के 88वें मिनट में फरुख चौधरी ने शानदार गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और टीम हार से नहीं बच सकी। भारतीय टीम इस मुकाबले से पहले लंदन में आयोजित यूनिटी कप में भी दो हार झेल चुकी थी, जहां उसे जमैका से 0-2 और जिम्बाब्वे से 0-1 से पराजय मिली थी। यह मुकाबला भारत की आगामी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों का हिस्सा था। मुख्य कोच खालिद जमील ने इस मैच का उपयोग टीम संयोजन परखने और खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अनुभव देने के लिए किया। भारत अब ताजिकिस्तान के खिलाफ दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला 9 जून को खेलेगा।

आईपीएल फाइनल की रात माइकल क्लार्क का भीषण सड़क हादसा

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले के बाद जहां रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम

लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का जश्न मना रही थी, वहीं उसी रात कई अप्रत्याशित घटनाएं भी सामने आईं। गुजरात टाइटंस की टीम बस में आग लगने की घटना के बाद अब आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने खुलासा किया है कि वह भी उसी रात एक गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में उनकी जान बच गई और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्राफी अपने नाम की थी। मैच के बाद माइकल क्लार्क, जो टूर्नामेंट के आधिकारिक कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे, एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान हाईवे पर उनकी कार एक बड़े ट्रेलर ट्रक से टकरा गई। माइकल क्लार्क ने एक क्रिकेट पाडकास्ट में इस दुर्घटना के बारे में विस्तार से बताया। उनके अनुसार हादसा आधी रात के बाद हुआ, जब वह कार की आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे और झपकी ले रहे थे। इसी बीच उनकी कार सड़क पर चल रहे एक बड़े सेमी-ट्रेलर ट्रक के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन ट्रक के नीचे तक घुस गया।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कान्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग । अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कान्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है। यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे।

विश्व बाक्सिंग कप : विश्व नंबर-1 मीनाक्षी और अनुभवी दीपक के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली

विश्व नंबर-1 मुक्केबाज़ मीनाक्षी और अनुभवी बाक्सर दीपक आगामी विश्व बाक्सिंग कप 2026 (स्टेज-2) में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। यह प्रतियोगिता 15 से 21 जून तक चीन के गुइयांग शहर में आयोजित होगी। भारत इस प्रतियोगिता में पिछले विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन और कई पदक जीतने के बाद उतर रहा है। फाइनल चरण में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ (बीएफआई) ने पुरुष और महिला वर्ग के लिए अनुभव और युवा प्रतिभाओं का संतुलित दल घोषित किया है। वर्तमान में भारत शीर्ष-10 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर विश्व में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। विशेष रूप से महिला वर्ग में शीर्ष-3 खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर भारत विश्व में पहले स्थान पर बना हुआ है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाज़ों के लिए महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करने और मौजूदा प्रतिस्पर्धी सत्र में अपनी लय बनाए रखने का बड़ा अवसर होगा। टीम चयन पर बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि विश्व बाक्सिंग कप खिलाड़ियों के लिए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के खिलाफ अपनी क्षमता को परखने का महत्वपूर्ण मंच है। भारतीय मुक्केबाज़ी में बनाई गई प्रणाली और संरचना अब लगातार बेहतर परिणाम दे रही है और विभिन्न भार वर्गों में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। महिला वर्ग में विश्व नंबर-1 मीनाक्षी (51 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगी। उनके साथ पूनम (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), माही लामा (60 किग्रा), सनेह (65 किग्रा), गीतिमोनी जी (70 किग्रा), सनमाचा सी (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किग्रा) शामिल हैं। पुरुष वर्ग में दीपक (70 किग्रा) अनुभव और नेतृत्व प्रदान करेंगे। उनके साथ ऋषि एस (50 किग्रा), निखिल (55 किग्रा), अनमोल (60 किग्रा), अभिनाश जमवाल (65 किग्रा), मालसावम्तलुआंगा (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और सुपर हेवीवेट वर्ग में सावन जी (+90 किग्रा) टीम का हिस्सा होंगे।

मुंबई टी20 लीग में सरफराज खान का तूफान, 17 गेंदों में जड़ा संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 भले ही समाप्त हो चुका हो, लेकिन भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। आईपीएल में सीमित अवसर मिलने के बाद सरफराज इन दिनों मुंबई टी20 लीग में अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोर रहे हैं। खास बात यह है कि इस टूर्नामेंट में वह एक नए रोल में नजर आ रहे हैं और बतौर ओपनर भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई टी20 लीग के 10वें मुकाबले में आकाश टाइगर्स एमडब्ल्यूएस और नार्थ मुंबई पैंथर्स आमने-सामने थीं। इस मैच में सरफराज खान ने केवल 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लीग के इतिहास की संयुक्त रूप से सबसे तेज फिफ्टी का रिकार्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 21 गेंदों पर 62 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 295.24 का रहा। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाए। अब तक घरेलू क्रिकेट और अन्य प्रतियोगिताओं में मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में खेलने वाले सरफराज को इस टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने इस मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए पहले ही ओवर से आक्रामक अंदाज अपनाया।

भारतीय टीम राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में तकनीकी कौशल, फिटनेस और रणनीतिक तैयारी पर विशेष ध्यान दे रही है। हाल के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और विश्व चैंपियनशिप में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भारतीय मुक्केबाज़ी विश्व मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना रही है।

भारतीय टीम (विश्व बाक्सिंग कप 2026, स्टेज-2):

महिला टीम: मीनाक्षी (51 किग्रा), पूनम (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), माही लामा (60 किग्रा), सनेह (65 किग्रा), गीतिमोनी जी (70 किग्रा), सनमाचा सी (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा), अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किग्रा)

पुरुष टीम: ऋषि एस (50 किग्रा), निखिल (55 किग्रा), अनमोल (60 किग्रा), अभिनाश जमवाल (65 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), मालसावम्तलुआंगा (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), सावन जो (+90 किग्रा)।

प्रज्ञानानंद की नार्वे शतरंज जीत पर खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई, कहा ऐतिहासिक दिन, देश को गर्व है

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने पर बधाई दी। प्रज्ञानानंद इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

मांडविया ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि पूरा देश इस गौरवपूर्ण क्षण का जश्न मना रहा है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारतीय शतरंज के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। नार्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को हार्दिक बधाई। पूरे देश को आप पर गर्व है।

चेन्नई के 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने नार्वे के स्टावेंजर में खेले गए टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (17 अंक) को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बने।

प्रज्ञानानंद की यह सफलता टूर्नामेंट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक मानी जा रही है। छह राउंड के बाद वह छह खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर थे, लेकिन इसके बाद लगातार चार जीत दर्ज कर उन्होंने शानदार वापसी की और खिताबी दौड़ में खुद को आगे कर लिया।

उनकी लगातार जीत के क्रम में विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ दूसरी जीत और अंतिम से पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश पर महत्वपूर्ण जीत शामिल रही।

फाइनल राउंड में प्रज्ञानानंद ने विन्सेंट कीमर के खिलाफ मध्य खेल में प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का पूरा फायदा उठाया और 45वीं चाल पर मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ प्रज्ञानानंद ने न केवल नार्वे शतरंज के पहले भारतीय विजेता बनने का रिकार्ड बनाया, बल्कि 1 लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि भी जीती।

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग महिला एकल क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान शाट लगाती हुई।

कुसल भुर्तेल का तूफान जारी, लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली

नेपाल के विस्फोटक बल्लेबाज कुसल भुर्तेल ने एशियन गेम्स पुरुष क्रिकेट क्वालिफायर में अपनी शानदार बल्लेबाजी से एक और बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। चीन के खिलाफ धमाकेदार शतक लगाने के बाद उन्होंने मलेशिया के विरुद्ध भी शतकीय पारी खेलते हुए लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शतक जड़ने का दुर्लभ कारनामा किया।

इस उपलब्धि के साथ वह उन चुनिंदा बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार दो शतक लगाए हैं। इस उपलब्धि के जरिए कुसल भुर्तेल ने भारतीय बल्लेबाजों संजू सैमसन और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों की बराबरी कर ली है। भुर्तेल का यह प्रदर्शन नेपाल क्रिकेट के लिए भी बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने लगातार दो मैचों में विरोधी गेंदबाजों पर पूरी तरह दबदबा बनाया। मलेशिया के खिलाफ मुकाबले में कुसल भुर्तेल ने सिर्फ 54 गेंदों पर 126 रन की विस्फोटक पारी खेली। अपनी इस शानदार पारी में उन्होंने 14 चौके और 8 छक्के लगाए। इससे पहले चीन के खिलाफ मुकाबले में भी उन्होंने शतक जड़ा था और एक ओवर में लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाने का अद्भुत कारनामा किया था। मुकाबले में मलेशिया ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उसके लिए पूरी तरह गलत साबित हुआ। नेपाल के सलामी बल्लेबाज कुसल भुर्तेल और आसिफ शेख ने पहले विकेट के लिए 134 रनों की शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। आसिफ शेख ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 24 गेंदों में 68 रन बनाए। नेपाल की ओर से मध्यक्रम में दीपेंद्र सिंह एरी ने भी तेजतर्रार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 11 गेंदों में 31 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और एक चौका शामिल था। इन पारियों की बदौलत नेपाल ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 275 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। इतने बड़े लक्ष्य के दबाव में मलेशिया की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। टीम के अधिकांश बल्लेबाज बड़ी साझेदारी बनाने में नाकाम रहे। मलेशिया के कप्तान सयैद अजीज ने सर्वाधिक 54 रन बनाए, जबकि शार्विन मुनियांडी ने 18 और असलम खान ने 13 रन का योगदान दिया। इसके बावजूद पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर केवल 108 रन ही बना सकी। नेपाल ने यह मुकाबला 167 रन के विशाल अंतर से जीतकर अपनी ताकत का शानदार प्रदर्शन किया। कुसल भुर्तेल की लगातार दूसरी शतकीय पारी ने न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा, बल्कि नेपाल क्रिकेट की बढ़ती ताकत को भी दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया।

विश्वकप और एशियाई खेलों में अलग-अलग टीमें उतारेगा हाकी इंडिया

नई दिल्ली

हाकी इंडिया, इस साल होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों विश्व कप और एशियाई खेलों लिए अलग-अलग टीमें उतारेगा। यह कदम दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों के बीच बेहद कम समय अंतराल की चुनौती से निपटने के लिए उठाया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट रूप से एशियाई खेलों को अधिक प्राथमिकता मिलने वाली है।

भारतीय टीम को बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 अगस्त से 30 अगस्त तक चलने वाले पुरुष हाकी विश्व कप के समाप्त होने के ठीक बीस दिन बाद ही 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में एशियाई खेलों में भाग लेना है। इतने कम समय में खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पुन: तैयार होना, अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म बनाए रखना, और चोटों से बचना एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। यह मानते हुए कि भारतीय हाकी टीम के खिलाड़ियों पर भारी बोझ पड़ेगा जिसको देखते हुए अलग-अलग टीमों को उतारने की रणनीति बनी है।

इस रणनीति के पीछे मुख्य कारण एशियाई खेलों का 2028 ओलंपिक के लिए सीधा क्वालिफिकेशन इवेंट भी है। जिसको लेकर हाकी इंडिया बेहद गंभीर है। उसका मानना है कि एशियाई खेल ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का एक महत्वपूर्ण जरिया है, इसलिए मुख्य और सबसे मजबूत टीम इसमें उतारी जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि भारत अपनी पूरी ताकत और अनुभव के साथ जापान में उतरेगा, जबकि विश्वकप के लिए एक युवा या मिश्रित टीम भेजी जा सकती है, जिसमें अनुभव और ऊर्जा का संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा।पुरुष हाकी विश्व कप में भारतीय टीम को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों टीमों के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला 19 अगस्त को निर्धारित है, जिस पर दुनिया भर के हाकी प्रेमियों की निगाहें टिकी होंगी। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा से रोमांच और जुनून से भरा रहा है, और इस बार भी इससे कम की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि विश्व कप में उतरने वाली टीम कितनी अनुभवी होगी और क्या वह अपने ग्रुप चरण में पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को टक्कर दे पाएगी।

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है। पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर मे उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

लंच के बाद क्या नहीं करना चाहिए

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

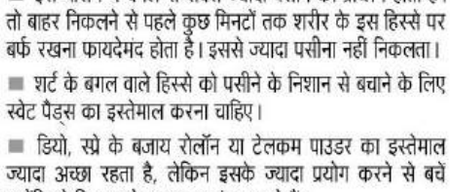

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हैं। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवतियों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज़,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

सामग्री

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।
- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**